



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 6, 1982/फाल्गुन 15, 1903

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 6, 1982/PHALGUNA 15, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दो जारी हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक ग्रावेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कानूनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1982

का० १०२५—दरगाह खवाजा मालिल अधिनियम, 1955 (1955 का 36) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त पक्षियों का प्रयोग करने द्वारा, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अधीन नाजिम को उक्त कृष्ण के नियहत में सलाह देने के प्रयोजन के लिये और ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिये जो दरगाह ममिन की उप-विधियों में विनियिष्ट किये जायें एक ममालकार ममिन का गठन राजस्थान सरकार के परामर्श में एक वर्ष के लिये करनी है जो तुरन्त प्रभावी होगी और निम्नलिखित व्यक्ति इसके सदस्य होंगे—

1. श्रीवान्त मंस्यद जैनुल ग्राबद्दीन अनी स्वा मालिल, गज्जादानणीन, हजरत रुबाजा मोहनदीन हसन चिह्नी, अजमेर;
2. श्री मोहम्मद अलीज भट्टाचार्य, विद्यान गभा गदस्थ, ममूदा, अजमेर;
3. मोहम्मद याकूब माहिब (भन्तव अध्यक्ष), गरजस्थान लोक मेता आयोग, अजमेर;
4. श्री इमियाज खुर्शीद, 558 दरगाह बाजार, अजमेर;
5. श्री मोहम्मद अली जिना, डाकघर मकाना, जिना नागौर;
6. श्री केंडी गोपारी, मेवानिवृत्त पुलिम अधीक्षक, अजमेर,
7. श्री नेट अद्युत करीम ग्रामान्दिश ग्रामान्दिश विनियोग स्टेनोग्राफर, अजमेर।

[का० म० 11(3)/76-वक्फ]

अग्रलम महमद, उपमंत्री

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 925.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Durgah Khawaja Saheb Act, 1955 (36 of 1955) the Central Government in consultation with the Government of Rajasthan, hereby constitutes, with immediate effect, an Advisory Committee for a period of one year for the purpose of Advising the Nazim in the discharge of his functions under the said Act and also for such other purposes as may be specified in the bye-laws of the Durgah Committee, consisting of the following persons, namely :—

1. Dewan Syed Zainual Abedin Ali Khan Sahib, Sajjad-nashin of Hazarat, Khawaja Moinuddin Hassan Chishti, Ajmer;
2. Sri Mohd Aiyaz Maharaj, MLA, Masuda, Ajmer;
3. Mohd. Yakub Sahib (Ex-Chairman), Rajasthan Public Service Commission, Ajmer;
4. Shri Imtiaz Khursheed, 558 Durgah Bazar, Ajmer;
5. Shri Mohd Ali Jinnah, P.O. Makrana, Distt. Nagaur;
6. Shri K. D. Goan, Reid. S. P., Ajmer;
7. Shri Seth Abdul Karim Allarakha, Allarakha Building, Station Road, Ajmer.

[F. No. 11(3)/76-Wakf]
ASLAM MAHMUD, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

(राजनीक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1982

का०आ० 926.—राज्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मकार, अधिकारी भविष्य निधि नियम, 1980 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम कर्मकार अधिकारी भविष्य निधि, संशोधन नियम, 1982 है।

(2) ये 1 मई, 1981 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे।

2. कर्मकार अधिकारी भविष्य निधि नियम, 1980 की अनुसूची में प्रविष्टि (28) के पश्चात् निम्नलिखित प्रविष्टि अंतर्स्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(29) दूरदर्शन, नई दिल्ली स्टेशन हंजीनियर, केन्द्रीय कम और भांडार, के कार्यालय के निर्धारित कम कर्मचारी।”

स्पष्टीकारक घास

इस संशोधन के द्वारा कर्मकार अधिकारी मविष्य निधि, नियम, 1980 में एक नई प्रविष्टि जोड़ी जा रही है जो दूरदर्शन नई दिल्ली स्टेशन हंजीनियर केन्द्रीय कम और भांडार, के कार्यालय के निर्धारित कर्मचारीवृद्धि को 1 मई, 1981 से उक्त नियमों की परिधि में ला देगी। इस प्रकार इन नियमों के भूलक्षणी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या 21(1)/81-पेन्शन]
के० एस० महादेवन, प्रबन्ध सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Admin. Reforms)

New Delhi, the 22nd February, 1982

S.O. 926.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980, namely :—

- (1) These rules may be called the Workmen's Contributory Provident Fund Amendment Rules, 1982.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st May, 1981.

2. In the Schedule to the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980, after the entry (xxviii), the following entry shall be inserted, namely :—

“(xxix) Workcharged employees of the Office of the Station Engineer, Central Purchase and Stores Door-darshan, New Delhi.”

EXPLANATORY MEMORANDUM

By this amendment a new entry in the Schedule of the Workmen's Contributory Provident Fund Rules, 1980 is being added which shall bring the workcharged staff of the Office of the Station Engineer, Central Purchase and Stores, Door-darshan, New Delhi within the scope of the said rules with effect from 1st May, 1981. As such the interest of no one is prejudicially affected by giving retrospective effect to these rules.

[No. 21(1)/81-Pension]

K. S. MAHADEVAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 927.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (ii) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सतकंता विभाग, बिहार सरकार के पुलिस अधीक्षक की पंक्ति के या उसके ऊपर के प्रत्येक अधिकारी को उक्त खंड के प्रयोजनों के लिये वित्तिविष्ट करते हैं।

[सं० 4322/का०सं० 225/84/79-आई०टी०ए०-II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 19th November, 1981

INCOME-TAX

S.O. 927.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies for the purposes of the said clause, every officer of or above the rank of Superintendent of Police in the Department of Vigilance, Government of Bihar.

[No. 4322 (F. No. 225/84/79-ITA.II)]

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1981

आय-कर

का०आ० 928.—सर्वे साधारण को जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय आयविभान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिए नीचे वित्तिविष्ट अवधि के लिए ग्रामीणित किया है।

1. वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना
 1. योगशाल के 7 केन्द्रों का अध्ययन
 2. निशा के गृहस्थों पर योग का समाधान
 3. विभिन्न योगिक अभ्यासों के निए तंत्रिकायानियानी गह-बद्धानां
 4. सृजनात्मक बीड़िकर्ता, प्रशा और मानसिक शक्तियों पर योग का प्रभाव
 5. योग अभ्यासों के दीरान हार्मोनियल प्लानों और मेटाबोलिक सहबद्धानाओं का अध्ययन
2. प्रायोजन-स्थल
 - अपर्ण आश्रम, मंतलाई और अन्य उपर्युक्त स्थान
 - स्वामी श्रीरेण्ड्र ब्रह्माधारी आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष, परियोजना का अध्यक्ष, आश्रम द्वारा प्राप्त दानों द्वारा बहन किया जाएगा।
3. प्रयोजन
 4. अनुसंधान परियोजना की अवधि सात वर्ष
आरंभ होने की प्रस्तावित तारीख 1 मितम्बर, 1981
समाप्त होने की संमापित तारीख 31 अगस्त, 1988
 5. सात वर्षों के लिए उपर्युक्त पांच अनुसंधान परियोजना का कुल आयक्रियत व्यय : 21.79 करोड़ रु. (केवल इम्प्रीम करोड़ और उत्तम लाख रुपए)

उपर्युक्त परियोजना का अनुमोदन निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन होगा:—

- (1) यह कि संगम इन अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्त राशियों और उन पर उपयोग व्यवहारों का नेतृत्व, अपर्णा आश्रम के मन्त्र व्यवहारों से विभिन्न रूप में रखेगा।
- (2) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए इन वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजनाओं का वार्षिक विवरण परिषद् को प्रतिवर्ष 31 मई तक ऐसे प्रैल्य में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के प्रधिकारिता किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं। यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सबद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगा।

यह प्रधिसूचना केवल 1-9-1981 से 24-4-83 तक की प्रवधि के लिए विधिमान्य होगी व्यापक वह प्रवधि, जिसके लिए कि प्रधिसूचना धारा 35(1)(2) के अधीन प्रभावी है, केवल 24-4-83 तक है (प्रधिसूचना सं. 3938 तारीख 25-4-1981) अपनी आधार, नई दिल्ली का आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 35(1)(2) के अधीन अनुमोदन किया गया है, देखिए वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) प्रधिसूचना सं. 3938 (फा. नं. 203/85/81-आईटी००० II) तारीख 25-4-81

[सं. 4334/फा. नं. 203/188/81-आईटी०२]

New Delhi, the 24th November, 1981

INCOME-TAX

S.O. 928.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 by Indian Council of Medical Research, New Delhi.

1. Name of the Scientific Research Project. 1. Study on 7 Centres of Yoga consciousness.
2. Impact of Yoga on secrets of sleep.
3. Neurophysiological correlates for various yogic practices.
4. Effect of Yoga on creative intelligence, genious and psychic powers.
5. Study of harmonious plans and metabolic correlates during Yoga practices.
2. Sponsored at The Apprana Asrama, Mantalai & other suitable places.
3. Sponsored by Swami Dharendra Brahmchari, Founder President of the Asrama. The cost of the projects will be met out of donations received by the Asrama.
4. Duration of the Project
 - (i) Proposed date of commencement 1st September, 1981
 - (ii) Anticipated date of completion 31st August, 1988

5. Total Estimated expenditure : Rs. 21.79 crores.
(Rupees twenty one crores and For all the five aforesaid seventy nine lakhs only). Spread over for seven years.

The approval for the above mentioned projects will be subject to the following conditions :—

- (1) That the Association will maintain a separate account of the amounts received and expenditure incurred for these research projects as distinct from the expenditure of the Aparna Asrama.
- (2) That the Association will furnish annual returns of these scientific research projects to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (3) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

This notification is valid only for a period from 1-9-1981 to 24-4-83, as the period for which the notification u/s 35(1)(ii) is effective is only upto 24-4-83 (Notification No. 3938 dated 25-4-1981).

The Aprana Asrama, New Delhi has been approved under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Notification No. 3938 (F. No. 203/85/81-ITA. II) dated 25-4-1981.

[No. 4334/F. No. 203/188/81-ITA.II]

नई दिल्ली 3 दिसम्बर, 1981

का०आ० 929.—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिये प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, आयत् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (iii) के प्रयोजनों के लिये निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि संस्थान इस छूट के अधीन संकलित निधि का उपयोग अनन्यतः समाज विज्ञानों में अनुसंधान के प्रोत्त्वात् नियम के लिये करेगा।
- (ii) यह कि संस्थान इस छूट के अधीन उसके द्वारा संभूति निधि का पृथक लेखा रखेगा।
- (iii) यह कि संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिये वार्षिक विवरण परिषद् को नियमित रूप से इस छूट के अधीन संगृहीत निधि और वह रीति जिसमें निधि का उपयोग किया गया है वर्णित करते हुए भेजेगा।

संस्था

पिरि विकास प्रधियन संस्थान, लखनऊ

यह प्रधिसूचना 1-4-1980 से 31-3-83 तक पांच वर्ष की प्रवधि के लिये प्रभावी है।

[सं. 4361/फा. नं. 203/141/81-आईटी०००-II]

New Delhi, the 3rd December, 1981

S.O. 929.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 subject to the following conditions :—

- (i) That such funds collected by the Institute under this exemption shall be utilised exclusively for promotion of research in Social Sciences.

(ii) That the Institute shall maintain a separate accounts of the funds collected by them under this exemption

(iii) That the Institute shall send to the Council Annual Report and audited statement of accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilized

INSTITUTION

GIII Institute of Development Studies, Lucknow
This notification is effective for a period of five years from 14 1980 to 31-3 1985.

[No. 4361/F No 203/141/81-ITA II]

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1981

का०आ० 930—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचना किया जाता है कि सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम को आयकर नियम 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2-क) के प्रयोजनों के लिये नीचे विरिचिट्ट अवधि के लिए अनुमोदित किया है।

1 वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना प्रतिप्रोटोजोआ और वैक्सीन के विवास के लिये पद्धति का मानकीकरण।

2 प्रायोजन वैगंश आरोग्यन (इंडिया) लिमिटेड कलकत्ता

3 प्रायोजन स्पल जावापुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता

4 अनुसंधान परियोजना पूरी हानि की तारीख 1 मार्च, 1982

5 अनुसंधान परियोजना आरम्भ होने की तारीख अवधि 1 मार्च, 1981

6 प्राक्कलित व्यय 12 हजार रुपये

2 जावापुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता अधिसूचना सं 1462 का० सं 203/91/76-प्राई०टी०४०(II) तारीख 31 अगस्त, 1976 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(1)(ii) के अधीन अनुमोदित है।

[सं 4365/का०सं 203/158/81-प्राई०टी०४०-II]
एम०जी०सी० गोयल, अध्यक्ष विविध

New Delhi, the 4th December, 1981

S.O. 930.—It is hereby notified for general information that the following Scientific research programme has been approved for the period specified below for the purpose of sub-section A(2) of the Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi—

1. Scientific Research Project Standardisation of Methodology for the development of anti-protozoal drugs & vaccines.

2. Name of the Sponsorer M/s Organon (India) Ltd, Calcutta.

3. Date of Sponsored at Jadavpur University, Calcutta

4. Date of Commencement 1st March, 1981.

5. Date of Completion 1st March, 1982

6. Estimated Outlay Rs 12,000/-

2. Jadavpur University, Calcutta stands approved under section 35(1)(ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No 1462 (F. No 203/91/76-ITA II) dated 31st August, 1976.

[No. 4365/F. No 203/158/81-ITA. II]
M. G. C. GOYAL, Under Secy

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर 1991

आदेश

का०आ० 931—इस कार्यालय की अधिसूचना सं 2700 (का०सं 203/9/79-प्राई०टी०४०-II) तारीख 31-1-1979 के अनुक्रम में सर्व-माध्यमिक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्था को जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था का आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अवधि (ii) के प्रयोजनों के लिये 26-12-1979 से तीन वर्ष की ओर अवधि के लिये अनुमोदित किया है।

संस्था

तारीख 26-12-79 से 9-11-81 तक

हैक्सामर कृषि अनुसंधान और विकास फाउण्डेशन प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई।

तारीख 10-11-81 से 25-12-82 तक

हैक्सामर कृषि अनुसंधान और विकास फाउण्डेशन, मुम्बई।

[सं 4397/का०सं 203/9/79-प्राई०टी०४०-II]

New Delhi the 26th December, 1981

INCOME-TAX

S.O. 931.—In continuation of this Office Notification No 2700 (F. No 203/9/79-ITA II) dated 31-1-1979, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act 1961, for a further period of three years w.e.f 26-12-79

INSTITUTION

From 26-12-79 to 9-11-81

Hexamal Agricultural Research and Development Foundation Pvt Ltd Bombay

From 10-11-81 to 25-12-82

Hexamar Agricultural Research and Development Foundation, Bombay

[No. 4397/F. No 203/9/79-ITA II]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1981

का०आ० 932—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था का आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आय-वर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के अवधि (ii) के प्रयोजनों के लिये विकिस्ता अनुसंधान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान मरम्म प्रवर्तन के अधीन निम्नलिखित मरम्मों पर अनुमोदित किया है अर्थात्—

(1) यह कि संगम विज्ञान के भैव चिकित्सा अनुसंधान के लिये प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक लेजा रखेगा।

(ii) उक्त संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सबधी किया कलापो की वार्षिक विवरणी परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रस्तुती में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिये अधिकारियत किया जाये और उस सूचित रिपोर्ट जाये।

(iii) उक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिये लेजाओं वा वार्षिक संपर्कियत विवरण परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके और इसके अन्तर्काल हम की एक प्रति सबधा आयकर आयुक्त को भेजेगा।

संस्था

श्री यूरोलोजी सर्विसेज साइंसेटी, जयपुर।

यह अधिसूचना 30-9-81 से 29-9-83 तक 2 वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है।

[सं 4399/का०सं 203/166/81-प्राई०टी०४०-II]

New Delhi, the 28th December, 1981

S.O. 932.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions—

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research
- (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose
- (iii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner

INSTITUTION

The Urology Services Society, Jaipur

The notification is effective for a period of two years from 30-9-1981 to 29-9-1983

[No 4399/F No 203/166/81-ITA II]

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1981

का०आ०९३३—संवाधारण की जानकारी के लिये अधिसूचिन किया जाता है कि विहित प्रधिकारी अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के माध्यम से विवरणीय परिषद् का वर्ष 31 मई तक एसे प्रश्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किये जायें और उसे संचित किये जायें।

- (1) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के लिये प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
- (2) यह कि संगम ग्रन्थ वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी किया-फलाया की वार्षिक विवरणीय परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक एसे प्रश्नों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिये अधिकृत किये जायें और उसे संचित किये जायें।
- (3) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिये सेक्रेटारी का वार्षिक विवरण परिषद् का प्रति वर्ष 31 मई तक एसे और इसके अन्तरिक्ष इसकी एक प्रति वर्ष अधिकृत आय-कर आयुक्त वा भेजेगा।

संस्था

दालमिया चिकित्सा-अनुसंधान प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 25-8-1981 से दो वर्ष की अवधि के सिये प्रभावी है।

[स० 4401/फा०स० 203/143/81-आई०टी०ए०-II]

New Delhi, the 29th December, 1981

S.O. 933.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions—

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research

(ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.

(iii) That the Association will furnish a copy of the Annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION

Dalmia Foundation for Medical Research, New Delhi.

The notification is effective for a period of two years from 25-8-1981.

[No 4401/F. No 203/143/81-ITA. II]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1981

का०आ०९३४—राजस्व विभाग अपनी अधिसूचना स० 3219 (फा०स० 203/101/80-आई०टी०ए०-II), तारीख 20-3-1980, स० 3259 (फा०स० 203/101/80-आई०टी०ए०-II), तारीख 25-4-80 और स० 3921 (फा०स० 203/101/80-आई०टी०ए०-II), तारीख 31-3-1981 का निम्न प्रकार से संशोधन करती है—

प्राक्कलित व्यय प्राक्कलित व्यय

"(i) उपस्कर 80 लाख" के "(i) उपस्कर 160 लाख" पढ़ें।
स्थान पर

"(ii) कर्मचारिकृत 30 लाख" "(ii) कर्मचारिकृत 70 लाख" पढ़ें।
के स्थान पर

"(iii) अन्य मध्ये "10 लाख" के "(iii) अन्य मध्ये 40 लाख" पढ़ें।
स्थान पर"

"(iv) इमारत 30 लाख" के "(iv) इमारत 30 लाख" पढ़ें।
स्थान पर"

"150 लाख" के स्थान पर "300 लाख"
(केवल एक करोड़ पचास लाख रुपय) "(तीन करोड़ रुपय)"
"परिशेष्ट-VI" "परिशेष्ट-6"

(निम्नलिखित से प्रत्याशित वान) के स्थान पर (निम्नलिखित से प्रत्याशित वान)

"(1) मै० बैनेट कोलमैन एड क० "(1) मै० बैनेट कोलमैन एड क०
लिमिटेड मुम्बई" के स्थान पर लिमिटेड मुम्बई" पढ़ें।

"(2) मै० लखोटिया एड संस कलकत्ता" "(2) मै० लखोटिया एड संस कलकत्ता"
के स्थान पर पढ़ें।

"(3) मै० मोटर जनरल फाइनेंस लिं० नई दिल्ली" के स्थान पर "(3) मै० शालीमार तार प्रोडक्शन्स
लिं० लिं० कलकत्ता" पढ़ें।

"(4) मै० एस्कार्ट लिं०, दिल्ली
(5) मै० फिलिप्स इडिया लिं०, मुम्बई।

[स० 4402/फा०स० 203/101/80-आई०टी०ए०-II]

पी० संसेना, उप-सचिव

New Delhi, the 30th December, 1981

S.O. 934.—The Department of Revenue hereby amends its notification No. 3219 (F. No. 203/101/80-ITA. II), dated 20-3-1980, No. 3259 (F. No. 203/101/80-ITA. II), dated 25-4-1980 and No. 3921 (F. No. 203/101/80-ITA. II) dated 31-3-1981 as under:—

Estimated expenditure on	Estimated expenditure on	Read
Lakhs	Rs. lakhs	
(i) Equipment	80	(i) Equipment
(ii) Staff	30	(ii) Staff
(iii) Other items	10	(iii) Other items
(iv) Building	30	(iv) Building

150

300

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research

(Rupees one crore and fifty lakhs only)	(Rupees three crores)
FOR	READ
Appendix-VI	Appendix-VI
(donations expected from the following)—	(donations expected from the following):
(1) M/s. Bennet Coleman & Co. Ltd., Bombay.	(1) M/s. Bennet Coleman & Co., Ltd., Bombay.
(2) M/s. Lakhotia & Sons, Calcutta.	(2) Ms. C. Lakhotia & Sons, Calcutta.
(3) M/s. Motor & General Finance Ltd., New Delhi.	(3) M/s. Shalimar Tar Products (1935) Ltd., Calcutta.
(4) M/s. Escorts Ltd., Delhi.	
(5) M/s. Philips India Ltd., Bombay.	

[No. 4402 (F.No. 203/101/80-ITA.II)]
P. SAXENA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1982

आय-कर

का. आ. 935.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'मराठा मन्दिर' को निर्धारण वर्ष 1978-79 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4412/फा. सं. 197/159/79-आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 14th January, 1982

INCOME-TAX

S.O. 935.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maratha Mandir" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4412/F. No. 197/159/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1982

का. आ. 936.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'दि. सी. पी. रामास्वामी अच्यर फाउण्डेशन' को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4421/फा. सं. 197/93/81-आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 21st January, 1982

S.O. 936.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The C. P. Ramaswami Aiyar Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4421/F. No. 197/93/81-IT(AI)]

का. आ. 937.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'जमना लाल बजाज फाउण्डेशन' को निर्धारण वर्ष 1978-79 में 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4422/फा. सं. 197/143/80 आ.क. (ए-1)]

S.O. 937.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jamnalal Bajaj Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1978-79 to 1981-82.

[No. 4422/F. No. 197/143/80-IT(AI)]

का. आ. 938.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'दि. लोटस न्यास' को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4425/फा. सं. 197/59/81 आ.क. (ए-1)]

S.O. 938.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Lotus Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4425/F. No. 197/59/81-IT(AI)]

का. आ. 939.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-ग की उपधारा 2(ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री मज्हीलेस्वर और श्री पोन्नाचिम्मन् मन्दिर, पेस्तनैयूर" को तमिलनाडु राज्य में सर्वान्धि विद्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं. 4424/फा. सं. 174/96/81 आ.क. (ए-1)]

S.O. 939.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Mazhileeswarar and Sri Ponnachiamman Temple, Perunthalaiyur, Tamil Nadu" to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu.

[No. 4424/F. No. 174/94/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1982

का. आ. 940.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'दि. मिल औनर्स एसोसिएशन रिलीफ फड सोसाइटी' को निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1984-85 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4428/फा. सं. 197/161/81 आ.क. (ए-1)]

New Delhi, the 22nd January, 1982

S.O. 940.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Millowners' Association Relief Fund Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1982-83 to 1984-85.

[No. 4428/F. No. 197/161/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1982

का. आ. 941.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "एसोसिएशन फार हिन्दू धर्मा (रजिस्ट्रेड)" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 से के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म. 4464/का. म. 197/190/81 आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 12th February, 1982

S.O. 941.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Association for Hindu Dharma (Regd.)" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4464/F. No. 197/190/81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1982

का. आ. 942.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बंगाल सर्विस सोसाइटी को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1982-83 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म. 4488/का. म. 197/197/78-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 15th February, 1982

S.O. 942.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Khelghar Shishu Nivas O Shiksha Kendra" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1982-83.

[No. 4468/F. No. 197/197/78-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1982

का. आ. 943.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "स्टॉक एक्सचेंज बम्बई" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[म. 4470/का. म. 197/139(1)/80-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 16th February, 1982

S.O. 943.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Stock Exchange, Bombay" for the purpose of the said section for the period covered by assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4470/F. No. 197/139(i)/80-IT(AI)]

का. आ. 944.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "स्टॉक एक्सचेंज फाउन्डेशन" को निर्धारण वर्ष 1977-78 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4471/का. सं. 197/139 (2)/80-आ. क. (ए-1)]

S.O. 944.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the Trustees of "The Stock Exchange Foundation" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment year 1977-78 to 1981-82.

[No. 4471/F. No. 197/139(ii)/80-IT(AI)]

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

का. आ. 945.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बंगाल सर्विस सोसाइटी" को निर्धारण वर्ष 1979-80 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4447/का. सं. 197/107/80-आ. क. (ए-1)]

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 945.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bengal Service Society" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1979-80 to 1981-82.

[No. 4477/F. No. 197/107/80-IT(AI)]

का. आ. 946.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "राजस्थान राज्य रिटिन्यस कौसिल फण्ड" को निर्धारण वर्ष 1965-66 से 1979-80 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 4478/का. सं. 197/192/80-आ. क. (ए-1)]

मिलाप जैन, अवर सचिव

S.O. 946.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Rajasthan State Citizens Council Fund" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1965-66 to 1979-80.

[No. 4478/F. No. 197/192/80-IT(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.

(अप्प विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

(रक्षा प्रभाग)

का. आ. 947.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (1) के अनुसरण में वित्त मंत्रालय, व्यव विभाग (रक्षा प्रभाग) के

रक्षा लेखा विभाग के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिसके कर्मचारी वृद्ध ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती हैः—

क्रम संख्या	कार्यालयों के नाम
1	2
1.	कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) भेरठ।
2.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
3.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, देहरादून।
4.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, देहरादून।
5.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर, देहरादून।
6.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार इडियन मिलिट्री एकाडमी, ब्रेम नगर, देहरादून।
7.	कार्यालय यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, ब्रेम नगर, देहरादून।
8.	कार्यालय यूनिट, लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
9.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, कलेमेंट टाउन, देहरादून।
10.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (बी), लखनऊ।
11.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा-परीक्षा आडिट सैन, लखनऊ।
12.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क) लखनऊ।
13.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर विद्युत् और यांत्रिक (परियोजना) खानकुर।
14.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार मिलिट्री सम्पत्ति, लखनऊ।
15.	कार्यालय, खेत्रीय लेखा-परीक्षा, सैनिक हंजीनियर सेवा लखनऊ।
16.	कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, मणस्त्र सेना निकिता भंडार इडिपो, लखनऊ।
17.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, लखनऊ।
18.	कार्यालय, खेत्रीय लेखा-परीक्षा (मध्य कमान) लखनऊ।
19.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (पूर्व) लखनऊ।
20.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (पश्चिम) लखनऊ।
21.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (स्टोर्स), केन्द्रीय आयुध इडिपो, जबलपुर।
22.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी 506 आर्मी बेस बर्केंगाप जबलपुर।
23.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, जबलपुर।
24.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, खसरिया, जबलपुर।
25.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, (पूर्व) जबलपुर।
26.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (पूर्व), जबलपुर।
27.	कार्यालय, खेत्रीय लेखा-परीक्षा सैनिक हंजीनियर सेवा, जबलपुर।
28.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (पश्चिम) जबलपुर।
29.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (छोटीकल फैक्ट्री) परियोजना जबलपुर।
30.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, (पश्चिम) जबलपुर।
31.	कार्यालय, खेत्रीय लेखा अधिकारी (मध्य कमान) जबलपुर।
32.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी अतिरिक्त, केन्द्रीय आयुध इडिपो, आगरा।
33.	कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, आगरा।
34.	कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, खेत्रिया, आगरा।

1

35. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, केन्द्रीय आयुध इडिपो, आगरा।

36. कार्यालय, खेत्रीय लेखा अधिकारी (मध्य कमान), आगरा।

37. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा 509 आर्मी बेस बर्केंगाप, आगरा।

38. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, आगरा।

39. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, आगरा।

40. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, (मामगी), आयुध इडिपो, इलाहाबाद।

41. कार्यालय, अधीक्षक लेखा परीक्षा, 508 आर्मी बेस बर्केंगाप, इलाहाबाद।

42. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, इलाहाबाद।

43. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, इलाहाबाद।

44. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क), इलाहाबाद।

45. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (वायु), बरेली।

46. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, (परि), इलाहाबाद।

47. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (व्य) इलाहाबाद।

48. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (वायु), गोरखपुर।

49. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, गारीबेत।

50. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, रानीखेत।

51. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, रानीखेत।

52. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, केन्द्रीय आयुध इडिपो, छिकंकी, इलाहाबाद।

53. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (व्य), बरेली।

54. कार्यालय, खेत्रीय लेखा परीक्षा अधिकारी सैनिक हंजीनियर सेवा, बरेली।

55. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (क), बरेली।

56. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, बरेली।

57. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, बरेली।

58. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, (वायु), इज्जत नगर, बरेली।

59. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (परियोजना), बरेली।

60. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अकार, बरेली।

61. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (तरीक्षण), फैक्ट्री (परियोजना), कानपुर।

62. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (विद्युत् एंड यांत्रिकी) चकोरी, कानपुर।

63. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, बैरक्स/रोड, चकोरी, कानपुर।

64. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी (बैरक्स)/रोड, चकोरी, कानपुर।

65. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर, फैर्डू, भानपुर।

66. कार्यालय, यूनिट लेखाकार गैरीजन हंजीनियर (१), फैर्डू गन किर्दी, कानपुर।

67. कार्यालय, यूनिट लेखाकार बैरिक स्टोर अधिकारी, कानपुर।

68. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा रक्षा मामगी और भादार अनुसंधान और विकास स्थापना, कानपुर।

1	2	3
69. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (भाषापूर्ति) केन्द्रीय आयुष्य, डिपो, कानपुर।		107. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, (इंकॉर्ट्री) मह (भव्य प्रवेश)।
70. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सामान्य वस्त्र निरीक्षणालय) कानपुर।		108. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, मह।
71. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (विश्व/यांत्रिकी), कानपुर।		109. कार्यालय, यूनिट लेखाकार फैरिल स्टोर अधिकारी, शार्मा।
72. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (परियोजना) शाह-जहांपुर।		110. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, शासी।
73. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (पूर्व), मेरठ।		111. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा फैहेग़।
74. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा (क), मेरठ।		112. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (परियोजना) शाह-जहांपुर।
75. कार्यालय, अधीक्षक लेखा परीक्षा अधिकारी (सेनिक इंजीनियर नेत्रा) मेरठ।		113. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, रायबाला।
76. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, मेरठ।		114. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, (1) मुरादनगर।
77. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा 510 शार्मा बेस वर्कशाप, मेरठ।		115. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (1), लैन्सडोन।
78. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (ख), मेरठ।		116. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, लैन्सडोन।
79. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (परियोजना) मेरठ।		117. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, 871 इंजीनियर वर्क्स मार्फें 56 ए० पी० छो०।
80. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, वाराणसी कैंट।		118. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (इंजीनियर परियोजना) इलाहाबाद।
81. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, एजेंसी, नेतृत्वाल		119. कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (प्रशिक्षण) मेरठ।
82. कार्यालय, यूनिट लेखाकार कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना) कैंट्री, न० 3, इटारसी।		
83. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, इटारसी।		
84. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना), इटारसी म० 1		[मंजुरा ई०-11011/1/81-हिन्दी] वी० क० दस, महायक वित्तीय मलाहकार, (स्थापना)
85. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर कमांडर वर्क्स इंजीनियर (परियोजना) कैंट्री न० 2, इटारसी।		
86. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा ईरागढ़, भोपाल।		
87. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, भोपाल।		
88. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, भोपाल।		
89. कार्यालय, अधीक्षक स्थानीय लेखा परीक्षा, फैजाबाद।		
90. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, मथुरा।		
91. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, मथुरा।		
92. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, मथुरा।		
93. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर (एक), गहाराजपुर राजियर।		
94. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, यालियर।		
95. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, यालियर।		
96. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, यालियर।		
97. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, कड़की।		
98. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, कड़की।		
99. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, कड़की।		
100. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, बवीना।		
101. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, बवीना।		
102. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, बवीना।		
103. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, पिथौरागढ़।		
104. कार्यालय, स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी, सागर।		
105. कार्यालय, यूनिट लेखाकार मीरीजन इंजीनियर, सागर।		
106. कार्यालय, यूनिट लेखाकार वैरिल स्टोर अधिकारी, सागर।		

1	2	1	2
17. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Lucknow.		53. Office of the Local Officer (B), Barrielly.	
18. Office of the Area Accounts Officer (Central Command) Lucknow.		54. Office of the Regional Audit Officer, Military Engineer Service Barrielly.	
19. Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (East), Lucknow.		55. Office of the Local Audit Officer (A) Barrielly.	
20. Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (West) Lucknow.		56. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Barrielly.	
21. Office of the Local Audit Officer (Stores) Central Ordnance Depot, Jabalpur.		57. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer Barrielly.	
22. Office of the Local Audit Officer 506 Army Base Workshop, Jabalpur.		58. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF) Izet Nagar, Barrielly.	
23. Office of the Local Audit Officer, Jabalpur.		59. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project) Officer Barrielly.	
24. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Khamaria, Jabalpur.		60. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Barrielly.	
25. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer (East) Jabalpur.		61. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Fys (Project), Kanpur.	
26. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, (East), Jabalpur.		62. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Electrical)/Mechanical) Chhekeri, Kanpur.	
27. Office of the Regional Audit Officer, Military Engineer Service, Jabalpur.		63. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Barracks and Roads) Chhekeri, Kanpur.	
28. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, West, Jabalpur.		64. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, (Barracks and Road) Chhekeri, Kanpur.	
29. Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, (Vehicle Factory), Project, Jabalpur.		65. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Factory) Kanpur.	
30. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer (West), Jabalpur.		66. Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer (1) Field Gun Factory, Kanpur.	
31. Office of the Area Accounts Officer (Central Command) Jabalpur.		67. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Kanpur.	
32. Office of the Local Audit Officer, Additional Central Ordnance Depot, Agra.		68. Office of the Superintendent Local Audit (Defence Materials and Stores Research and Development Establishment) Kanpur.	
33. Office of the Local Audit Officer, Agra.		69. Office of the Local Audit Officer (Supply) Central Ordnance Depot, Kanpur.	
34. Office of the Unit Accountant, Garrison Engineer, Kheria, Agra.		70. Office of the Local Audit Officer (Inspectorate General Store) Kanpur.	
35. Office of the Local Audit Officer, Central Ordnance Depot, Agra.		71. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Elec./Mech.) Kanpur.	
36. Office of the Area Accounts Officer, Central Command, Agra.		72. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project), Shahjapur.	
37. Office of the Superintendent Local Audit 509 Army Base Workshop, Agra.		73. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (East), Meerut.	
38. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Agra.		74. Office of the Local Audit Officer (A) Meerut.	
39. Office of the Unit Accountant, Barracks Store Officer, Agra.		75. Office of the Regional Audit Officer (Military Engineer Service) Meerut.	
40. Office of the Local Audit Officer (Store) Ordnance Depot Fort, Allahabad.		76. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Meerut.	
41. Office of the Superintendent Local Audit 508 Army Base Workshop, Allahabad.		77. Office of the Superintendent Local Audit 510 Army Base Workshop, Meerut.	
42. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Allahabad.		78. Office of the Local Audit Officer (B) Meerut.	
43. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Allahabad.		79. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (West) Meerut.	
44. Office of the Local Audit Officer (A), Allahabad.		80. Office of the Superintendent Local Audit Varanasi Cantt.	
45. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF) Bamraolly, Allahabad.		81. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer Ajess, Nainital.	
46. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Project), Allahabad.		82. Office of the Unit Accountant Commander Works Engineer (Project) Factory No. 3, Itarsi.	
47. Office of the Local Audit Officers (B), Allahabad.		83. Office of the Superintendent, Local Audit, Itarsi.	
48. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (AF), Gorakhpur.		84. Office of the Unit Accountant Commander Works Engineer (Project) Itarsi No. 1.	
49. Office of the Superintendent Local Audit, Ranikhet.		85. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Commander Works Engineer (Project) Factory No. 2 Itarsi.	
50. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Ranikhet.		86. Office of the Superintendent Local Audit Pergarh.	
51. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Ranikhet.		87. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Bhopal.	
52. Office of the Local Audit Officer, Central Ordnance Depot, Chacki Allahabad.		88. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Bhopal.	

1

2

89. Office of the Superintendent Local Audit, Faizabad.
 90. Office of the Local Audit Officer Mathura.
 91. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Mathura.
 92. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer Mathura.
 93. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (F) Maharajpur Gwalior.
 94. Office of the Local Audit Officer, Gwalior
 95. Office of the Unit Accountant, Barracks Store Officer, Gwalior.
 96. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Gwalior.
 97. Office of the Local Audit Officer, Roorkee.
 98. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Roorkee.
 99. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Roorkee.
 100. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Babina.
 101. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Babina.
 102. Office of the Local Audit Officer, Babina.
 103. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Pithoragarh.
 104. Office of the Local Audit Officer, Sagar.
 105. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer Sagar.
 106. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Sagar.
 107. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Infantry) Mhow, Madhya Pradesh.
 108. Office of the Local Audit Officer, Mhow.
 109. Office of the Unit Accountant College of Combat, Mhow.
 110. Office of the Unit Accountant Barracks Store Officer, Jhansi.
 111. Office of the Local Audit Officer, Jhansi.
 112. Office of the Superintendent Local Audit, Fatehgarh.
 113. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer, Raiwala.
 114. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Moradnagar.
 115. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (I) Lansdown.
 116. Office of the Superintendent Local Audit, Lansdown.
 117. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer 871 Engineer Works C/o 56 APO.
 118. Office of the Unit Accountant Garrison Engineer (Engineer Project) Allahabad.
 119. Office of the Controller of Defence Accounts (Training) Meerut.

[No. E. 11011/1/81-Hind]

B. K. DUTT, Assistant Financial Adviser (E)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

मार्च दिल्ली, 21 जनवरी, 1982

आध-कर

का० ४४०—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियां का प्रयोग करते हुए समय समय पर यथा संशोधित अपनी प्रधिनियम सूचना सं० 678/फा० सं० 187/2/74-प्राई टी(ए प्राई) तारीख 20 जुलाई, 1974 से संगल अमूस्की का निम्नलिखित संशोधन करती है।—

कम सं० (21) के सामने स्तरम् (1), (2) और (3) के अधीन निम्नान्न प्रक्रियां के स्थान पर निम्नलिखित प्रक्रियां रखी जाएगी।—

प्रत्यक्षना

कम आयकर आयकर सं०	मुख्यालय	प्रधिकारिता	प्रत्यक्षना			
			1	2	3	4
21ग. तमिलनाडु-IV	मद्रास		1. वेतन संकिल- I मद्रास			
			2. वेतन संकिल-II, मद्रास			
			3. प्रतिवाय संकिल, मद्रास			
			4. नगर संकिल-V, मद्रास			
			5. नगर संकिल-VI, मद्रास			
			6. फिल्म संकिल, मद्रास			
			7. कंपनी संकिल-IV, मद्रास			
			8. विदेश अन्वेषण संकिल-III मद्रास			
			9. ताम्मम संकिल, मद्रास			
			10. काचीपुरम संकिल			
			11. वेलोर संकिल			

यह प्रत्यक्षना 1 भ्रैल, 1982 से प्रभावी होगी।

[सं० 4423/फा० सं० 187/10/81-प्राई टी (ए प्राई)]

मित्राय जैन, जवर मध्यम।

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st January, 1982

INCOME-TAX

S.O. 948—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the schedule appended to its Notification No. 679/F.No. 187/2/74-IT(AI), date the 20th July, 1974 as amended from time to time:—

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against Sl. No. 21(C) shall be substituted by the following entries:—

SCHEDULE

Sl. No.	Commissioner of Income-tax	Headquarters	Jurisdiction
1	2	3	4
21C	Tamil Nadu-IV.	Madras.	1. Salaries Circle-I, Madras.
			2. Salaries Circle-II, Madras.
			3. Refund Circle, Madras.
			4. City Circle-V, Madras.
			5. City Circle-VI, Madras.
			6. Films Circle, Madras.
			7. Companies Circle-IV, Madras.
			8. Special Investigation Circle-III, Madras.
			9. Tambaram Circle.
			10. Kanchipuram Circle.
			11. Vellore Circle.

This notification shall take effect from 1st April, 1982.

[No. 4423/F.No. 187/10/81-IT (AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

वारिष्ठ भाष्यक

(संयुक्त मुद्रा विवरणक आयात तथा निर्पात का कार्यालय)

आदेश

मद्रास, 1 फरवरी, 1982

का०आ० 949.—संवेदी साउथ ईंडिया विस्कोस लिमिटेड, सिरमुगी पोस्ट, कोयम्बतूर जिला को रुपये 13,70,000 तक गैर अनुमेय फालू उजां का आयात करने के लिए लाइसेंस संख्या पी-डी-2217578-सी-एक्स-एफ्स-77-एम-80 विनाक 5-11-80 जारी किया गया था। उक्त लाइसेंस की मुद्रा विवरण अतिक्रम प्रति खो जाने के कारण उसका अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए लाइसेंसदारी ने आवेदन किया है। उनसे यह भी कहा गया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल्य में रुपये 13,10,584 को छोड़कर रुपये 59,416 का उपयोग कर लिया गया है।

अपने तरफ के समर्थन में आवेदक ने एक आपराधिक वाचिल किया है। आव्वीहस्ताक्षरी इस बात से सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी-डी-2217578/सी/एक्स एफ्स-77-एम-80 विनाक 5-11-80 की मुद्रा विवरण अतिक्रम की मूल प्रति खो जी गयी है और आवेदन देता है कि आवेदक को उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विवरण अतिक्रम की अनुलिपि प्रति जारी किया जाय। लाइसेंस की मूल प्रति एतद्वारा रद्द किया जाता है।

मुद्रा विवरण अतिक्रम की अनुलिपि प्रति संख्या पी-डी/2464692 विनाक 31-12-81 अलग जारी किया जाता है।

[संख्या ए. टी. सी. डी. जी. टी. डी. /307-ए. एम-81-ए. यु. 1]
टी.०.एन. वेंकटेश्वरन, उप मुख्य विवरणक आयात तथा निर्पात
कूटे संयुक्त मुद्रा विवरणक, आयात तथा निर्पात।

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Madras, the 1st February, 1982

S.O. 949.—M/s. South India Viscose Ltd., Sirumugai Post, Coimbatore District, were granted licence No. P/D/2217578/C/XX/77/M/80, dated 5th November, 1980 for Rs. 13,70,000 for import of Non-permissible spares. They have requested this office to issue a duplicate copy of the above licence (Exchange Control) which has been lost by them. Further it has been stated by them that the above licence has been lost by them and having been utilised a sum of Rs. 59,416 only leaving a balance of Rs. 13,10,584.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original copy of the licence No. P/D/2217578/C/XX/M/80 dated 5th November, 1980 (Exchange Control Copy) has been lost and directs that a duplicate copy of the said licence (Exchange Control) should be issued to them. The original copy of the licence is hereby cancelled.

A duplicate licence (Exchange Control) No. P/D/2464692 dated 31st December, 1981 has been issued separately.

[No. ITC/DGTD/307/AM-81/AU. I]

T. N. VENKATESWARAN, Dy. Chief Controller
Imports and Exports
for Jt. Chief Controller of Imports and Exports.

विवेद भाष्यक

नई विल्ली, 15 फरवरी, 1982

का०आ० 950.—राजनयिक तथा कौसली प्रधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वा) के अंडे 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का प्रधान कौसलावास, ओडेसा में सहायक श्री एम० एल० अरोड़ा, को श्री एम० एल० राजपाल, निजी सहायक की छुट्टी से वापसी के बाद कौसली एजेंट का वार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/2/82]

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 16th February, 1982

S.O. 950.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri M. L. Arora Assistant in the Consulate General of India, Odessa to perform the duties of a Consular Agent after return of Shri M. L. Rajpal, P.A. from leave.

[File No. T/4330/2/82]

का०आ० 951.—राजनयिक तथा कौसली प्रधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41 वा) के अंडे 2 की धारा (क) के अनुसरण में केन्द्र सरकार, इसके द्वारा भारत का हाई कमीशन, लिलोंग्वे (मलावी) में सहायक श्री पी० एम० मेनन, को तत्काल से कौसली एजेंट का वार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फाइल सं० टी० 4330/2/82]

ज० हजारी, भवर सचिव

S.O. 951.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948) the Central Government hereby authorise Shri P. M. Menon Assistant in the High Commission of India, Lilongwe (Malawi) to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T/4330/2/82]

J. HAZARI, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक भाष्यक

(पेट्रोलियम विभाग)

नई विल्ली, 15 फरवरी, 1982

का०आ० 952.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में मधुरा से जलधार (पंजाब) तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाईप लाइन इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा बिलाई जानी चाहिये।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का प्राप्ता आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षों कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्याकि, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिलाने के लिए मानेप संस्था प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड, मधुरा जलधार पाईप लाइन प्रोजेक्ट, को इस अधिकूचमा की नीचे से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह आहता है कि उसको मुनवाई व्यक्तिश क्षे या किसी विधि व्यवसायी की सार्वतंत्रता है।

केन्द्रीय/राज्य सरकार द्वारा अर्जित क्षेत्र की सूची जिनमें से पाश्चलाइन विलानी है।
तहसील सुधियाना जिला सुधियाना।

क्रमांक	नाम ग्राम	खसरा म०	ह०			व०मी०	सरकार/विभाग
			१	२	३		
1. सलेमपुर		8/10 मिन			00	10	63 स्थानीय प्रशासन (लोकल बाई शामीलान)
ह० न० 33		11/1 मिन			00	04	05
		12/1 मिन			00	08	60
		12/2 मिन			00	07	08
		13/2 मिन			00	00	25
		18/1 मिन			00	04	04
		18/2 मिन			00	04	61
		19 मिन			00	01	77
		23/3 मिन			00	00	51
		24 मिन			00	06	32
2. गारचा(ह०न० 35		3/11 मिन			00	06	58 केन्द्रीय सरकार (टमाटर थोज फार्म)
		12 मिन			00	02	28
		18 मिन			00	04	30
		19 मिन			00	12	40
		20 मिन			00	00	00
		23 मिन			00	09	87
		24 मिन			00	06	32
		6/4 मिन			00	08	10
		5 मिन			00	08	35 पंजाब सरकार यन विभाग
		6 मिन			00	04	81
3. हैदर नगर ह०न० 34		2/19 मिन			00	03	79
		22 मिन			00	09	61
		23 मिन			00	02	02 केन्द्रीय सरकार
		13/2 मिन			00	02	28
		3 मिन			00	08	85
		8 मिन			00	10	37
		13 मिन			00	10	37
		18 मिन			00	10	37
		23/2 मिन			00	10	63 केन्द्रीय सरकार
		24 मिन			00	00	51
		16/3 मिन			00	03	79
		4 मिन			00	04	55
		7 मिन			00	08	85
		14 मिन			00	05	31
		15 मिन			00	11	13
		16 मिन			00	03	04
		17/19 मिन			00	00	51
		20 मिन			00	13	16
		21 मिन			00	01	01
		22 मिन			00	13	91
		23 मिन			00	01	52
		24/11 मिन			00	06	83
		19 मिन			00	08	60
		20 मिन			00	06	83
		22 मिन			00	05	57
		23 मिन			00	11	13
		25/2 मिन			00	00	25
		3 मिन			00	13	11

1	2	3	4	5	6	7
		4 मिन	00	02	78	
		6 मिन	00	05	06	
		7 मिन	00	11	13	
		15 मिन	00	09	36	
		30/3 मिन	00	03	54	
		4 मिन	00	12	65	
		5 मिन	00	00	00	
		6 मिन	00	13	66	
		7 मिन	00	01	77	
		15 मिन	00	00	76	
		31/10 मिन	00	00	76	
		11 मिन	00	06	07	
		48 मिन	00	00	51	
		46 मिन	00	04	30	पंजाब सरकार
		47 मिन	00	00	51	पी० इक्स्य० खिलाड़

[सं० 12020/1/82-प्र०]

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND
FERTILIZER**

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 15th February, 1982

S.O. 952.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the Schedule annexed here to;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jullundur Pipeline 705, Mola Singh Nagar, Jullundur (Pb).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by the legal practitioner.

DETAILS OF THE AREA OWNED BY CENTRAL/STATE GOVT./LOCAL BODY THROUGH WHICH PIPELINE HAS TO PASS TEHSIL LUDHIANA DISTT. LUDHIANA

S. No.	Name of Vill. with H.B. No.	Khasra No.	HR	AR	SR	Dept./Goyt.
1	2	3	4	5	6	7
1. Salempur H.No. 33		8/10 Min	00	10	63	Local Body (Shamilat)
		11/1 Min	00	04	05	
		12/1 Min	00	08	60	
		12/2 Min	00	07	08	
		13/2 Min	00	00	25	
		18/1 Min	00	01	04	
		18/2 Min	00	09	61	
		19 Min	00	01	77	
		23/3 Min	00	00	51	
		24 Min	00	06	32	
2. Garcha H.No. 35		3/11 Min	00	06	58	Central Govt. (Potatos seed Farm)
		12 Min	00	02	28	
		18 Min	00	04	30	
		19 Min	00	12	40	
		20 Min	00	00	00	
		23 Min	00	09	87	
		24 Min	00	06	32	
		6/4 Min	00	08	10	Punjab Govt. Forest Deptt.
		5 Min	00	08	35	
		6 Min	00	04	81	

1	2	3	4	5	6	7	8
3. Haidai Nagar		2/19 Min	00	03	79	Central Government	
H No. 34		22 Min	00	09	61		
		23 Min	00	02	02		
		13/2 Min	00	02	28		
		3 Min	00	08	85		
		8 Min	00	10	37		
		13 Min	00	10	37		
		18 Min	00	10	37		
		23/2 Min	00	10	63	Central Government	
		24 Min	00	00	51		
		16/3 Min	00	03	79		
		4 Min	00	04	55		
		7 Min	00	08	85		
		14 Min	00	05	31		
		15 Min	00	11	13		
		16 Min	00	03	04		
		17/19 Min	00	00	51		
		20 Min	00	13	16		
		21 Min	00	01	01		
		22 Min	00	13	91		
		23 Min	00	01	52		
		24/11 Min	00	06	83		
		19 Min	00	08	60		
		20 Min	00	06	83		
		22 Min	00	05	57		
		23 Min	00	11	13		
		25/2 Min	00	00	25		
		3 Min	00	13	41		
		4 Min	00	02	78		
		6 Min	00	05	06		
		7 Min	00	11	13		
		15 Min	00	09	36		
		30/3 Min	00	03	54		
		4 Min	00	12	65		
		5 Min	00	00	00		
		6 Min	00	13	66		
		7 Min	00	01	77		
		15 Min	00	00	76		
		37/10 Min	00	00	76		
		11 Min	00	00	07		
		48 Min	00	00	51		
		46 Min	00	04	30	Pb. Govt. P.W. Deptt	
		47 Min	00	00	51		

[No. 12020/1/82-Prod.]

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

का०आ० ९५३—यत्. पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 वा ५०) की धारा ३ की उपवारा (१) के अर्थात् भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मलान्य (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० २७६६ तारीख १०/१०/८१ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप-लाइन को विचारने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और इतन सकाम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को खिंगट दे दी है।

और आगे यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त खिंगट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियोग किया है।

प्रबंधन: उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन विचारने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (४) द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन लि० में सभी आधारों में भूकृत रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

मानसूची

उरण टर्मिनल से दोपक, फटिलाइज़सं और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन निः ससोजा तक पर्याप्त लाइन विभाने के लिए।

राज्य : महाराष्ट्र ज़िला : रायगढ़ तालुका : करण

गांव	सर्वेक्षण नंबर	धेत्र	मोर्टर्स
जासई	112	1	68-00
	113	1A	4-00
		1B—2	44-00
		5	8-00
	114	—	52-00
	116	1	82-00
		2	70-00
		3	42-00
		4	44-00
	117	1	28-00

[नं० 12016/44/81-प्रोड-1]

New Delhi, the 17th February, 1982

S.O. 953.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2766 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Jasai	112	1	68.00
	113	1A	04.00
		1B—2	44.00
		5	8.00
	114	—	52.00
	116	1	82.00
		2	70.00
		3	42.00
		4	44.00
	117	1	28.00

[No. 12016/44/81-Prod. I]

का०आ० ९५४—यत् पेट्रोलियम मीर अधिनियम पाइपलाइन (भूमि के उपरोक्त के अधिकार का अर्थन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मीर रसायन तथा उर्वरक भवालाय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० २८७६ तारीख 10/10/1981 धारा केंद्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप-लाइन को विभाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अत् सक्षम प्रधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को लियोर्ट दे दी है।

और प्राप्त, अतः केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्वय किया है।

अब अत् उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभाने के प्रयोजन के लिए एलद्वारा अर्जित किया जाता है।

और अतः उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए त्रोपह कार्ट्रायर्जर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन निः ससोजा तक पर्याप्त लाइन विभाने के प्रयोजन के लिए एलद्वारा अर्जित किया जाता है।

मानसूची

उरण टर्मिनल से दोपक कार्टिलायर्जर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन निः ससोजा तक पाइपलाइन विभाने के लिए

राज्य : महाराष्ट्र ज़िला : रायगढ़ तालुका : पापवेल

गांव	सर्वेक्षण नं०	धेत्र	स्केप मीटर्स
वडाल	ज़ंगल		
		—	152.00
	421	2	22.00
		3	40.00
		6	36.00
मंडक	—	—	592.00

[नं० 12016/44/81-प्रोड-II]

S.O. 954.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2767 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka: Panvel

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Vahal	Forest	—	152.00
	421	2	22.00
		2	40.00
		6	36.00
	Road	—	592.00

[No. 12016/44/81-Prod. II]

कांग्रेस 955—यत पेट्रोलियम और अनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना कांग्रेस 3772 तारीख 10-10-1981 धारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार की पाइपलाइन को विछाने के प्रयोग के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और आगे अन्त केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इन अधिसूचना से मलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अधिसूचना किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) धारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हए केन्द्रीय सरकार एतत्वाग्राम घोषित करती है, कि इन अधिसूचना से मलग्न अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोग के लिए एन्ड्रूरा अर्जित किया जाना।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) धारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए वीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० के सेक्वीकरण में मध्य आधारों से मुक्त स्पष्ट में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

राज्य . महाराष्ट्र	जिला : रायगढ़	तालुका	पन्द्रेम
गांव	मर्वेश्वर नवर	स्वेत	स्केवे० मीटर्स
बम्बावी	69	—	332.00
	58	—	12.00
	67	—	36.00
	62	—	58.00
	61	—	46.00
	60	—	110.00
	52	1A	58.00
		1B	30.00
	53	6	16.00
		3	84.00
		4A	52.00

1353 GI/81-3

1	2	3	4
बम्बावी	60	—	110.00
	52	1ए	58.00
		1 बी	30.00
	53	6	16.00
		3	84.00
		4ए	52.00

[नॉ. पी० 12016/47/81-प्रा० II]

S.O. 955.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2772 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines ;

of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Bambavi	69	—	332.00
	58	—	12.00
	67	—	36.00
	62	—	58.00
	61	—	46.00
	60	—	110.00
	52	1A	58.00
		1B	30.00
	53	6	16.00
		3	84.00
		4A	52.00

[No. P.12016/47/81-Prod. II

का०आ० ९५६.—यतः पेट्रोलियम और खनिज ग्राहणाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ की उपधारा (१) के प्रधीन भारत सरकार ने पेट्रोलियम और रसायन तथा उत्करक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स० २७७३ तारीख १०-१०-१९८१ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाईन को बिछाने के प्रयोग करने का अपना आपाय घोषित कर दिया था।

और अतः मध्यम प्राधिकारी ने उस प्रधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

श्रीरामेश्वर अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त प्रधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रधत अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पाईपलाईन घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोग के लिए एन्डलूरा अर्जित किया जाता है।

और आगे, उस धारा की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपल कॉर्पोरेशन लिं. के सभी वाधारों में मुक्त स्पष्ट में घोषणा के प्रकाशन की तारीख में निहित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से श्रीपक कॉर्पोरेशन और पेट्रोकेमिकल्स का पर्याप्त लिं. समोजा तक पाईपलाईन बिछाने के लिए।

राज्य : महाराष्ट्र	ज़िला : रायगढ़	तालुका : पन्देश
गांव	सर्वेक्षण नंबर	भैत्र सम्प० मीटर
कालंद्रे	रेल	११२.००
		८१.००
		२२४.००
		१६४.००
		६६.००
		६६.००
		३२.००
		१०६.००
		४८.००
		४८.००
		४४४.००
बन्वई-मूना सड़क		५०.००
रेल		१३६.००
		१२०.००
		२०८.००
		१६०.००
		१३६.००

[नं० पी-१२०१६/४७/८१-प्र०८०]

S.O. 956.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2773 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of

right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area
			Sq. Meters
Kalundre	Rail		112.00
			84.00
			224.00
			164.00
			66.00
			66.00
			32.00
			106.00
			48.00
			48.00
			444.00
Bombay			
Poona			50.00
Road			136.00
Rail			120.00
			208.00
			160.00
			136.00

[No. P.12016/47/81-Prod.]

का०आ० ९५७.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ की उपधारा (१) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उत्करक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स० २७७४ तारीख १०-१०-१९८१ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईन को बिछाने के प्रयोग के लिए अर्जित करने का अपना आपाय घोषित कर दिया था।

और अतः मध्यम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत. उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा को उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्वाचित होने के बजाए दैर्घ्य के फिलाइजस और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिंग के सभी बाधाओं से मूक रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फिलाइजस और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिंग समोजा तक पाईपलाईन बिछाने के लिये

गाज्य महाराष्ट्र	जिला रायगढ़	तालुका पनवेल
गाव	सर्वेक्षण नववर	क्षेत्र
कोपर	रेल	स्केव० मीटर्स
		168.00
		72.00
		[रु 12016/48/81-प्रोद० I]

S.O. 957.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2774 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And Whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area
			Sq. Meters
Kopar	Rail	—	168.00
			62.00

[No. 12016/48/81-Prod. I]

का० बा० 957—यत पेट्रोलियम और पाईपलाईन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 वा०-३०)

की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक भूज. तथा (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०भ० 2775 तारीख 10/10/1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाना है।

और अब नक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार द्वारा रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियोग किया है।

अब अत उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग द्वा अधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्वाचित होने के बजाए दीपक फिलाइजस पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिंग के में सभी बाधाओं से मूक रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल से दीपक फिलाइजस और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लिंग समोजा तक पाईपलाईन बिछाने के लिए

गाज्य महाराष्ट्र	जिला रायगढ़	तालुका : पनवेल
गाव	सर्वेक्षण नववर	क्षेत्र
पारगाव	रेल	स्केव० मीटर्स
		160.00
		220.00
		124.00
		148.00

[रु 12016/48/81-प्रोड०-II]

S.O. 958.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum), S.O. No. 2775 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Pargaon	Rail	—	160.00
			220.00
			124.00
			148.00

[No. 12016/48/81-Prod. II]

का०आ० ९५९.—यत पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ की उपधारा (१) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम-और खाना तथा उर्वरक मकालय [पेट्रोलियम विभाग] को अधिकृत्ता का० आ० २७८० २८० तारीख १०-१०-१९८१ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संबंध अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अत उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में सलग अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

आगे आगे उस धारा की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

अनुसूची

उर्ण टमिनल में दीपक फॉटिलायर्जस और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि० नवोजा तक पाईप लाइन बिछाने के लिये

राज्य महाराष्ट्र	जिला रायगढ़	तालुका पनवेल
गाव	सर्वेक्षण नंबर	क्षेत्र मीटर्स
टेम्पोडे	संडक	१३१०.००

[सं० १२०१६/५१/८१-प्र०४०-१]

S.O. 959.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2780 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in

the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation, Ltd Taloja

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres

Tempode	Road	1310 00
---------	------	---------

[No. 12016/51/81-Prod.I]

का०आ० ९६०—यत पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम, १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ की उपधारा (१) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और खाना तथा उर्वरक मकालय (पेट्रोलियम विभाग) अधिसूचना का० आ० २७८१ तारीख १०/१०/१९८१ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में सलग अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों के उपयोग के अधिकार पाईप लाइन बिछाने के लिए एवं द्वारा अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

आगे आगे यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दी है।

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने का विनिश्चय किया है।

अब आगे उस धारा की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संबंध अनुसूची में विनिविष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिछाने के प्रयोग के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

आगे आगे उस धारा की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग की विनियोग कॉर्पोरेशन लि० के सभी वाधाओं से मृक्ष रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख में निर्दिष्ट होगा।

मनुसूची

उर्गन टमिन ने दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिं. तलोजा तक पाईपलाइन बिलाने के लिये

राज्य महाराष्ट्र जिला रायगढ़ तालुका पनवेल

गाव	मर्वेश्वर नवर	क्षेत्र	म्यूरो मीटर्स
कलंवाळा	सड़क		1506-00

[मा० 12016/51/81-प्र०-इ०-II]

S.O. 960.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2781 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd, free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel		
Village	S No.	H No	Area Sq Metre	
Valavali	Road		1506	00
			[No 12016/51/81-Prod. II]	

का० आ० 961—यत पेट्रोलियम और खनिंग पाईपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उत्कर्ष मकानय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० मा० 2782 तरोब 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईपलाइन को बिलाने के प्रयोगन के लिए अर्जित करते हुए अपना आमाय घोषित कर दिया था।

और तत मन्त्रम प्राधिकारी न उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन मर्कार थों रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत केन्द्रीय सरकार न उक्त रिपोर्ट पर विलान करने के पश्चात् उस अधिनियम में सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित बनने का विनियमन किया है।

यह अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मर्कार एवं द्वाग प्रीष्ठि करनी है, कि इस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईप लाइन बिलान के प्रयोगन ते लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वाग प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मर्कार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार ने निहित होने के बजाए दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिं. के सभी वाधाओं से मुक्त रूप में धोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

मनुसूची

उर्गन टमिन में दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिं. तलोजा तक पाईपलाइन बिलाने के लिये

राज्य महाराष्ट्र जिला रायगढ़	तालुका पनवेल		
गाव	मर्वेश्वर नवर	क्षेत्र	म्यूरो मीटर्स
पालबुद्रुक	मर्ग		1744.00
	7	1	40.00
	9	1 से 4 पर्टी	16.00

[मा० 12016/52/81-प्र०-इ०-I]

S.O. 961.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2782 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemical Corporation Ltd, free from encumbrances

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd, Taloja

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel		
Village	S No	H No	Area Sq Metres	
Palebudruk	Road		1744.00	
	7	1 pt	40.00	
	8	1 to 4 pt	16.00	

[No 12016/52/81-Prod. II]

का० जा० 962.—यत् पेट्रोलियम और अनिंज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 अ०, उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन संसाधन उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसचना का० अा० स० 2783 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार वो पाइपलाइन को विभाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आप्त घोषण कर दिया था।

और यत् सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब यत्, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं उत्तराखण्ड करने हैं, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया जाना है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फटिलाइर्स और पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन द्वारा दीपक फटिलाइर्स और पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन द्वारा दीपक फटिलाइर्स का विभाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आपात घोषित कर दिया था।

अनुसूची

उन टॉन्डों में दीपक फटिलाइर्स और पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन द्वारा नियोजित नक्काश का पाइपलाइन विभाने के लिये

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगढ़	तालुका	पनवेल	धेवफल
हेड्टने						
	सहक				252.00	
	4 पीटी				10.00	
	नदी				48.00	

[स० 12016/5/81-प्र०-II]

that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloji.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel.

Village	S.No.	H.No.	Area
Hedutane	Road	--	252.00
	4 pt	--	10.00
	River	--	48.00

[No. 12016/52/81-Pod. II]

का० जा० 963—यत् पेट्रोलियम और अनिंज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन संसाधन उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० अा० स० 2784 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया जाना है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत् केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब यत्, उक्त अधिनियम का धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं एक्स्ट्राक्ट घोषित करती है, कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विभाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाना है।

और आगे उम धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने ते याए दीपक फटिलाइर्स और पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन द्वारा दीपक फटिलाइर्स के प्रयोजन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

उन टॉन्डों से दीपक फटिलाइर्स और नेट्वर्क्स कार्पोरेशन द्वारा नियोजित नक्काश का पाइपलाइन विभाने के लिये

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	रायगढ़	तालुका	पनवेल	धेवफल
	दीपोर्सी		नेल		148.00	
					728.00	
					482.00	
					20.00	

[स० 12016/5/81-प्र०-I]

S.O. 963.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2784 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for laying the pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification; therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs

land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Dapoli	Rail		148.00
			728.00
			482.00
			20.00

[No. 12016/53/81-Prod. I]

का०आ० 964—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उद्योक्त मन्त्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० 2785 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइन को०बाजाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होते के बजाय दीपक फॉटिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल कॉर्पोरेशन लिंग के सभी वाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा ।

अनुसूची

उरांग टर्मिनल में पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल कॉर्पोरेशन लिंग तलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

राज्य : महाराष्ट्र	जिला : रायगढ़	तालुका : पनवेल
गांव	सर्वेक्षण नं.	क्षेत्र मीटर्स
कुंडवहाल	रेल	248.00
		172.00
		208.00
		272.00
		102.00
		120.00
		140.00
		88.00
	73	1 30.00

[सं० 12016/53/81-प्र० II]

S.O. 964.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2785 dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja.

State : Maharashtra District : Raigad. Taluka : Panvel

Village	S.No	H.No.	Area Sq. Metres
Kundewahal	Rail		248.00
			172.00
			208.00
			272.00
			102.00
			120.00
			140.00
			88.00
	73	1	30.00

[No. 12016/53/81-Prod. II]

नई निलंबी, 22 फरवरी 1982

का० आ० 965.—यत पेट्रोलियम और खांज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2776 तारीख 10-10-1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, अतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फिल्माइजर्स कार्पोरेशन लिं. के सभी बाधाओं में मूक रूप से घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

उरुण टर्मिनल से दीपक फिल्माइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन निं० सलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये।

राज्य—महाराष्ट्र	जिला—रायगढ़	तालुका—पनवेल	क्षेत्र
गाव	सर्वेक्षण नंबर	एक्ट०में०	स्केम० मीटर्स
करंजाडे	रेल	--	28.00
			216.00
			176.00
			556.00
			272.00
			420.00
			724.00
			72.00

[नं० पी० 12016/49/81-प्रोड०]

New Delhi, the 22nd February, 1982

S.O. 965.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2776, dated 10-10-1981 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petro-chemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petro-chemicals Corporation Ltd., Taloja.

State : Maharashtra	District : Raigad	Taluka : Panvel	
Village	S.No.	H.No.	Area
Karanjade	Rail		Sq. Metres
			28.00
			216.00
			176.00
			556.00
			272.00
			420.00
			724.00
			72.00

[No. P. 12016/49/81 Prod.]

का० आ० 966.—यत पेट्रोलियम और अमनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2776 तारीख 10 अक्टूबर, 1981 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोग के लिए अर्जित करने का अपना आण्य घोषित कर दिया था।

और आगे अत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है, कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फिल्माइजर्स कार्पोरेशन लिं. के सभी बाधाओं में मूक रूप से घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फिल्माइजर्स कार्पोरेशन लिं. के सभी बाधाओं में मूक रूप से घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फिल्माइजर्स कार्पोरेशन लिं. के सभी बाधाओं में मूक रूप से घोषणा के प्रकाशन की तारीख से निहित होगा।

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, in the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petro-chemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petro-chemicals Corporation Limited, Taloja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Padeghar	Road	—	144.00
	Rail	—	46.00
	30-A	4	18.00
	31	2	94.00
		4+5+6	318.00
	45-B	—	66.00
	19-B	—	4.00
	19-E	—	68.00
	19-A	1	10.00
		2	8.00
	19-D	—	34.00
	19-E	—	16.00
	13-D	1	68.00
	13-E	1	36.00
		2	30.00
	14	1	28.00
		2	24.00

[No. 12016/46/81-Prod. I]

का० आ० ९६८—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम १९६२ (१९६२ का ५०) की धारा ३ को उपधारा (१) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा उर्वरक महालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ० सा० २७७१ तारीख १० अक्टूबर १९८२ द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अत सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे अत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रदित्त करने का अनिवार्य किया है।

अब आगे उक्त अधिनियम की धारा ६ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से सलग अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाई पाइने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए दीपक फॉटिलायजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० के सभी बाधाओं से मुक्त रूप में योग्यता के प्रकाशन की तारीख से निश्चित होगा।

अनुसूची

उरण टर्मिनल दीपक फॉटिलायजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० तलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य	महाराष्ट्र	जिला	गांव	मालूमा : पन्चायत
गांव	सर्वेक्षण नं०	एक्ट० नं०	क्षेत्र	स्केमीटर्स
पन्चायत	रेल	—	104.00	
		—	884.00	
		—	136.00	
		—	124.00	
		—	180.00	
		—	40.00	
		—	444.00	
		—	50.00	
		—	142.00	
		—	322.00	
		—	32.00	
		—	6.00	
	299	१५	16.00	
	रेल	—	238.00	
		—	40.00	

[न० 12016/46/81-प्र०-२]
टी. एन. परमेश्वरन, अधिकारी

S.O. 968.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum) S.O. No. 2771 dated 10-10-1981 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in Deepak Fertilizers and Petro-chemical Corporation Ltd., free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petro-chemicals Corporation Limited, Taloja.

State : Maharashtra District : Raigad Taluka : Panvel

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Metres
Panvel	Rail	—	104.00
		—	884.00
		—	136.00

1	2	3	4
	2	3	4
299	1-A	16.00	
Rail	—	238.00	
		40.00	

[No. 12016/46/81-Prod. II]
T.N. PARMESWARAN, Under Secy

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1982

का० आ० 969.—इस मंत्रालय की विनांक 24 जनवरी, 1981 कि समन्वयक प्रधिकारना में आशिक रूप से संशोधन करने हुए और तेल उद्योग (विकास) प्रधिनियम, 1974 (1974 का 47) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (3) और (4) द्वारा प्रवत्त प्रतिक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा तेल उद्योग विकास बोर्ड में नकाल से निम्नलिखित नियुक्तियों करती है जिनके नाम हैं:—

1. श्री पी० शिव शंकर
पेट्रोलियम, रसायन और और उद्योग मंत्री
प्रधान
2. डा० जी० जयराम राव,
सलाहकार (मोष्टनशालाएँ)
पेट्रोलियम विभाग
प्रधान
(श्री पी० सी० सेठी के स्थान पर)

सदस्य (श्री टी० एस० नायर के स्थान पर) पेट्रोलियम विभाग को प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।

3. श्री प्रार० वेंकटेसन,
वित्तीय सलाहकार,
पेट्रोलियम विभाग,
4. डा० पी० के० नारायणास्वामी
प्रध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कारपोरे-
रेशन लि०

सदस्य (श्री एस० एल० ओसला के स्थान पर) वित्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।
मदम्य (डा० एस० वरदाराजन के स्थान पर) निगमों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्ति की गई है।

[स० 7/1/81-वित्त (II)]
राजेश्वर सेन, ईस्टक प्रधिकारी

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 969.—In partial modification of this Ministry's notification of even number dated the 24th January, 1981 and in exercise of the powers conferred by sub-section (3) and sub-section (4) of section 3 of the Oil Industry (Development) Act, 1974 (47 of 1974), the Central Government hereby makes with immediate effect, the following appointments to the Oil Industry Development Board, namely :

1. Shri P. Shiv Shankar,
Minister of Petroleum,
Chemicals & Fertilizers. Chairman
(vice Shri P.C. Sethi).

2. Dr. G. Jayarama Rao
Adviser (Refineries),
Department of Petroleum Member (appointed to re-
present the Deptt. of Petroleum
(vice Shri T.S. Nayar).

3. Shri R. Venkatesan,
Financial Adviser,
Department of Petroleum Member (appointed to re-
present the Ministry of
Finance vice Shri S.L.
Khosla).

4. Dr. P.K. Narayanaswamy,
Chairman & Managing
Director, Indian Petro-
chemical Corp. Ltd. Member (appointed to re-
present Corporations vice
Dr. S. Varadarajan).

[No. 7/1/81-Fin. II]
RAJESHWAR SEN, Desk Officer.

कार्ड मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1982

का० आ० 970.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायुक्त घनसूखी में उल्लिखित भूमि में कोयला प्रधिकार किए जाने की संभाषना है,

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक लोक (अर्जन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रतिक्रियों का प्रयोग करते हुए उसमें कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

2. इस प्रधिसूचना के अवधीन आने वाले लोक के रेखांक का निरीकण सैद्धान्तिक (राजस्व अनुभाग) वरभंगा हाउस, राजी के कार्यालय में या उपायुक्त हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में प्रथमा कोयला नियंत्रक, 1 काउरिसल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस प्रधिसूचना के अवधीन आने वाली भूमि में हितवदु सभी व्यक्ति, उन प्रधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्विट सभों नक्षों, वार्डों और अन्य वस्तावेजों को, इस प्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नव्वे विन के भीतर राजस्व प्रधिकारी सैद्धान्तिक लिमिटेड, वरभंगा हाउस, राजी को भेजेंगे।

घनसूखी

रेखांक सं० राजस्व/94/81

तारीख 10-11-1981

(जिसमें पूर्वेक्षण किए जाने के लिए भूमिदर्शित की गई है)

काम सं०	प्राप्त	पाना	पाना सं०	जिला	क्षेत्र	टिप्पणी
1.	हुडगढ़	रामगढ़	156	हजारीबाग	75. 75	भाग
2.	देवारडग	रामगढ़	158	हजारीबाग	166. 90	भाग
3.	खौरवा	गोला	14	हजारीबाग	5. 35	भाग
कुल क्षेत्रफल			248.00 एकड़ (लगभग)			
या			: 100.36 हेक्टर (लगभग)			

सीमा वर्णन

क-ख

रेखा हुटुगडग और तेवारडग ग्रामों से होकर जाती है (जो उक्त भूधनियम की घारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अंजित रामगढ़ ब्लॉक 1 और 4 विस्तार की भागत सम्मिलित सीमा है) और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग-घ-ह

रेखाएं तेवारडग और खोक्हा (भेरा नदी) ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु "ह" पर मिलती है।

ग-क

रेखा भेरा नदी के भागत शाएं किनारे के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "क" पर मिलती है।

रेखा खोक्हा (भेरा नदी), तेवारडग और हुटुगडग से होकर जाती है और भारतीय बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 19/121/81-सी०एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 17th February, 1982

S.O. 970. —whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intension to prospect for coal therein;

The plan of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi, or in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

			Hutugdag Block (Ramgarh Coalfield) (Bihar)	Drg. No. Rev/94/81 Dated 10-11-1981 (Showing lands notified for prospecting)		
Sl. No.	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1. Hutugdag	.	Ramgarh	156	Hazaribagh	75.75	Part
2. Tewardag	.	Ramgarh	158	-do-	166.90	Part
3. Khokha	.	Gola	14	-do-	5.35	Part
			Total area : or	248.00 acres (approximately) 100.36 hectares (approximately)		

Boundary Description :

A—B line passes through villages Hutugdag and Tewardag (which forms part common boundary of Ramgarh block I and IV Extn. acquired under sub-section (1) of section 9 of the said Act) and meets at point 'B'.

B—C—D—E— Lines pass through villages Tewardag and Khokha (Bhera River) and meets at points 'E'.

E—F line passes along the part right bank of Bhera River and meets at point 'F'.

F—A line passes through villages Khokha, (Bhera River) Tewardag and Hutugdag and meets at starting point 'A'.

[No. 19/121/81-CL]

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1982

का०जा० 971.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रस्तीत होता है कि इसमें उपार्ध घनसूची में उत्तिष्ठित भूमि में कोयला अधिग्राह किए जाने का सम्बादना है,

यह, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक अव (अर्जन और विकास) भूधनियम, 1957 (1957 का 20) की घाय 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयले का पूर्वांकण करने के अपने धाराय का सूचना देती है,

2. इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखाक का निरीक्षण सैट्रल कोलफैल्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरमंगा हाउस राजी के कार्यालय में या उपायुक्त राजी (पिहार) के कार्यालय में अवश्य कोयला नियंत्रण, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद सभी व्यक्ति, उक्त भूधनियम की घाय 13 की उपधारा (2) में निर्विच्छिन्न नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व प्रविकारी सैट्रल कोलफैल्स लिमिटेड, दरमंगा हाउस, राजी को मिलेंगे।

मनुसूची					
रेखांक सं० राजस्व/80/81 ता० 1-10-1981					
चूरी बिन्दार छाक					
क्र०सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला क्षेत्र	टिप्पणियां
1	चूरी	बुर्म	16	रांची	भाग
कुल क्षेत्र : 1000.00 एकड़ (नार भाग) 404.68 हेक्टर (लाभभाग)					
सोमा धरणें : /					
क-अ-१	रेखा ग्राम चूरी (जो भागकी कोयला खान की भागतः साझी सीमा है) में से होकर जाती है।				
क-ग-८	रेखा ग्राम चूरी (जो चूरी कोयला खान की भागतः साझी सीमा है) में से होकर जाती है।				
क-४	रेखा ग्राम नदी की भागतः मध्य रेखा (जो चूरी और धन्वन्तर ग्रामों के बीच भागतः साझी सीमा भी है) के साथ जाती है।				
क-८	रेखा ग्राम चूरी (जो रेखा कोयला खान की भागतः साझी सीमा है) में से होकर जाती है।				
क-क	रेखा धन्वन्तर या देवनन्द नदी की भागतः मध्य रेखा (जो हजारी याग और रांची की भागतः जिला सीमा भी है) के साथ साथ जाती है।				

[सं० 19/114/81री०एल०]

स्वर्ण सिंह, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 22nd February, 1981

S.O. 971.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule hereunto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or in the Office of the Deputy Commissioner, Ranchi (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of the publication of this notification.

SCHEDULE

Drg. No. Rev/80/81

Churi Extn., Block date 1-10-81
(North Karanpura Coalfield) (Showing land notified for prospecting)

Sl. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Churi.	Burm	16	Ranchi	Part	
					Total area : —1000.00 acres (approx.) or 404.68 hectares (approx.)	

BOUNDARY DESCRIPTION :-

A-B line passes through village Churi (which forms part common boundary with Manki Colliery).

B-C-D	lines pass through village Churi (which forms part common boundary with Churi Colly.).
D-E	line passes along the part central line of Saph-Nadi (which is also part common boundary between villages Churi and Ray and Churi and Bachra).
E-F	line passes through village Churi (which forms part common boundary with Ray Colliery.).
F-A	line passes along the part central line of River Damodar or Deonod (which is also the part district boundary of Hazaribagh and Ranchi).

[No. 19/114/81-CL]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संभालय

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का० आ० 972.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त प्रतिक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मंत्रालय, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित प्रौद्योगिक संशोधन करती है, प्रति— :-

उक्त अनुसूची के भाग-1 में सरकारी आयुर्वेदिक विद्यालय (कालेज) पटियाला से संर्वधित क्रम सं० 88 के सामने कालम 4 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि "आयुर्वेदार्थ"ए०ए०" के सामने "1912 से 1961 तक" की प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी— :-

[सं० आ० 12015/17/81-ए०ई०]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 972.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Centre, Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said Schedule, against serial number 88, relating to Government Ayurvedic Vidyalaya (College), Patiala, for the existing entry under column 4 against "Ayurvedacharya.....AA" the entry "From 1912 to 1961" shall be substituted.

[No. R-12015/17/81-AE]

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1982

का० आ० 973.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम 1970 (1970 का 48) की धारा 14 द्वारा प्रदत्त प्रतिक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के बाद उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है— :-

उक्त अनुसूची के भाग 1 में क्रम संख्या 21 के सामने कालम 4 में प्रविष्टि "1978 तक" जोड़ी जाये।

[सं० आ० 28015/29/76-आय० डेस्क(ए०ई०) बाल्यम-III]
हिम्मत मिह, धकालिया प्रबंध सचिव

New Delhi, the 20th February, 1982

S.O. 973.—In exercise of the powers conferred by section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central

Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In part I of the said Schedule against serial No. 21 in column 4, the entry, "upto 1978" shall be inserted.

[No. Z-28015/29/76-Ay, Desk(AE)(Vol. III)]
H. S. DHAKAALIA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

गुरुवीनव्यत्र

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

का० आ० १०७४.—२ विसम्बर, 1978 के भारत के राजपत्र के भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 3258 पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 10 नवम्बर, 1978 की अधिसूचना सं० एम-ओ 3454 के अंतिम पैराग्राफ में, पंक्ति 2 में, "22" को "23" पढ़ें और पंक्ति 4 में "23" को "24" पढ़ें।

[सं० वी० 14015/1/81-पी० एम० ११००]
एत० ए० सुब्रह्मण्य, मंत्री, सचिव

(Department of Health)
CORRIGENDA

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 974.—In the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. S.O. 3454, dated the 10th November, 1978, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd December, 1978, at page 3258 in the concluding paragraph in line 2, for "22" read '23' and in line 4, for "23" read '24'.

[No. V. 14015/1/81-PMS]
N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1982

का० आ० १०७५.—यह भारतीय चिकित्सा परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में नागर्जुन विश्वविद्यालय ने डा० विक्रमपति नागेश्वर राव को 22 जनवरी, 1982 से भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः प्रथम उक्त प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) का पालन करते हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय के 9 जनवरी 1960 के एस०ओ० संख्या 138 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अधिकृत :—

उक्त प्रधिनियम में "धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के प्रधीन विवरण" शीर्ष के प्रत्यर्गत क्रम संख्या 56 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियां रखी जाएँगी, अधिकृत :—

"५७. डा० विक्रमपति नागेश्वर राव, एम०ए०स०
स्वास्थ्य नर्सिंग होम,

कोलामेट, गुन्डू-५२२००१, आनंद प्रदेश।"

[सं० वी० 11013/2/82-एम०ई० (पी०)]
प्रकाश चत्वर जैन, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 24th February, 1982

S.O. 975.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Chigurupati Nageswara Rao, has been elected by the Nagarjuna University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 22nd January, 1982.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following amendment in the late Ministry of Health S.O. No. 138, dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", after serial number 56 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

"५७. Dr. Chigurupati Nageswara Rao, M.S.

Swatantra Nursing Home,
Kothapet, Guntur-522001, Andhra Pradesh."

[No. V. 11013/2/82-M.E. (Policy)]

P. C. JAIN, Under Secy.

प्रामाणिक विभाग संग्रालय

लालबाग

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

का० आ० १०७६.—केन्द्रीय सरकार मास द्वाष्ट उत्पाद आदेश 1973 के खंड 3 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए भास द्वाष्ट उत्पाद सलाहकार समिति गठित करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति शामिल अर्थात् :—

प्रध्यक्ष .

हृषि विष्णुन ललाहकार, सारत सरकार

सचिव .

१. पृष्ठपालन ग्राम्यक, मारत सरकार या उसका नामनिर्देशिती ।

२. महानिवेशक स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार या उसका नामनिर्देशिती ।

३. महानिवेशक तकनीकी विभाग, भारत सरकार या उसका नामनिर्देशिती ।

४. कार्यपालक निदेशक, द्वाष्ट और पोषाहार शोष, द्वाष्ट विभाग भारत सरकार या उसका नामनिर्देशिती ।

५. निदेशक, केंद्रीय द्वाष्ट प्रोद्योगिकी भव्युसंधान संस्थान मैसूर या उसका नामनिर्देशिती ।

मद (ज) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट राज्य सरकारों के पृष्ठपालन या पृष्ठचिकित्सा विभाग के दो अधिकारी ।

६. निवेशक पृष्ठपालन, उत्तर प्रदेश, सलाहकार ।

७. निवेशक, पृष्ठपालन, महाराष्ट्र, पुणे ।

मद (छ) के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट विनियोगादारों में से दो अधिकारी ।

८. निवेशक, मैसर्से बुक बांड इंडिया लिमिटेड, पेवरई फैक्ट्री, ओरेंगाबाद ।

९. महाप्रबन्धक, बेंगल फैक्ट्री, रांची ।

मद (ज) के अधीन भव्युसंधान प्राधिकारी द्वारा नामनिर्दिष्ट विष्णुन और निरीक्षण निवेशालय का एक अधिकारी ।

१०. ज्योल विष्णुन प्रधिकारी,
(मास द्वाष्ट उत्पाद आदेश)
विष्णुन तथा निरीक्षण निवेशालय, नागपुर ।

२. ज्योल विष्णुन प्रधिकारी (मास द्वाष्ट उत्पाद आदेश) विष्णुन तथा निरीक्षण निवेशालय, नागपुर उक्त समिति के मत्रिय के द्वय में कार्य करेगा ।

[सं० ए० २-१/७४-८० एम०]
पी० आबला, उप सचिव

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 976.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of Clause 3 of the Meat Food Products Order, 1973, the Central Government hereby constitutes the Meat

Food Products Advisory Committee consisting of the following persons for a period of two years with effect from the date of publication of this Order in the Official Gazette, namely:—

Chairman :

Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

Members :

(1) Animal Husbandry Commissioner, Government of India or his nominee.

(2) Director General of Health Services, Government of India or his nominee.

(3) Director General of Technical Development, Government of India or his nominee.

(4) Executive Director, Food and Nutrition Board, Department of Food, Government of India or his nominee.

(5) Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore or his nominee.

Two officers of the Department of Animal Husbandry or Veterinary Services or State Governments nominated by the Central Government under item (f).

(6) The Director of Animal Husbandry, Uttar Pradesh, Lucknow.

(7) The Director of Animal Husbandry, Maharashtra, Pune.

Two persons from among the manufacturers nominated by the Central Government under item (g).

(8) Director, M/s. Brooke Bond India Limited, Gevrai Factory, Aurangabad.

(9) General Manager, Bacon Factory, Ranchi.

An officer of the Directorate of Marketing and Inspection nominated by the licensing authority under item (h).

(10) Senior Marketing Officer, (Meat Food Products Order), Directorate of Marketing and Inspection, Nagpur.

2. The Senior Marketing Officer (Meat Food Products Order), Directorate of Marketing and Inspection, Nagpur, shall act as the Secretary of the said Committee.

[No. F. 2-1/74-AM]
V. P. CHAWLA, Dy. Secy.

मौखिक और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1982

का० आ० 977.—दिल्ली परिवहन निगम (मवस्य) नियम, 1973 के नियम 3 के साथ पठिन मध्यक परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री जी० ज० मिश्र, मध्यक मंत्रिव, नौवहन और परिवहन मंत्रालय को 24 फरवरी, 1982 से दिल्ली परिवहन निगम का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संख्या का०आ० 238 (प्र०) दिनांक 1 मई, 1979 से निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के पैरा 1 मे मद संख्या (iii) मे निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए।—

“श्री गोविन्द जी मिश्र

संयुक्त मंत्रिव,

नौवहन और परिवहन मंत्रालय”।

[फाइल स० टी जी डी (9) 79]
वी०आ० ७७४० अध्यात्म, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 24th February, 1982

S.O. 977.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950) read with rule 3 of the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, the Central Government hereby appoints Shri G. J. Misra, Joint Secretary, Ministry of Shipping and Transport as a member of the Delhi Transport Corporation with effect from 24th February, 1982 and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S. O. 238(F) dated the 1st May, 1979, namely :—

In the said notification in para 1 against the item (iii), the following shall be inserted :

“Shri G. J. Misra,
Joint Secretary,
Ministry of Shipping and Transport”

[File No. TGD(9)/79]
B. R. CHAVAN, Dy. Secy.

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय
(पुनर्वासिविभाग)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1982

का०आ० 978.—निष्काल मध्यक प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा हरियाणा सरकार के पुनर्वास विभाग में उप सचिव (पुनर्वास), श्री जे० ए० ग्रोडा को तत्काल प्रशासन से, उक्त अधिनियम के प्रधीन सहायक महा अधिकारक के कार्यों का नियादित करने के लिए सहायक महा अधिकारक के रूप में नियुक्त करती है।

इससे अधिसूचना संख्या 1(2)/विशेष सैल/77-एस०एस०-III दिनांक 19 फरवरी 1981 का अधिकरण किया जाता है।

[संख्या -1(8)/विशेष सैल/77-एस०एस०-II (क)
एन० एस० वाधवानी, अवर मंत्रिव

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 11th February, 1982

S.O. 978.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950), the Central Government hereby appoints Shri J. L. Arora, Deputy Secretary (Rehabilitation) in the Rehabilitation Department, Government of Haryana, as Assistant Custodian General of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Assistant Custodian General by or under the said Act with immediate effect.

This supersedes Notification No. 1(2)/Spl. Cell/77-SS, II, dated the 19th February, 1981.

[No 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II(A)]
N. M. WADHWANI, Under Secy.

का०आ० 979.—निष्काल मध्यक प्रशासन अधिनियम 1950 (1950 का 31) की धारा 55 की उपधारा 3 द्वारा महा अधिकारक के रूप में मृक्षे प्रवत शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैं इसके द्वारा अधिसूचना संख्या-1(8)/विशेष सैल/77-एस०एस०-II (क), दिनांक 11 फरवरी,

1982 द्वारा हस्तियाणा राज्य के लिए नियुक्त सहायक महा अधिकारक को, महा अधिकारक की नियन्त्रितियां सौंपता हैं :

- (i) अधिनियम की धारा 24 और 27 के अधीन शक्तियां।
- (ii) अधिनियम की धारा 10(2)(0) के अधीन किसी भी तिकानत सम्पत्ति के हस्तांतरण के अनुमोदन की शक्तियां।
- (iii) नियन्त्रित सम्पत्ति प्रशासन (केन्द्रीय) विनियमावली, 1955 के नियम 30-के अधीन मामलों के हस्तांतरण की शक्तियां।

इससे प्रधिसूचना संख्या 1(8)/विवेष सैल/77-एस०-11, दिनांक 19 फरवरी, 1981 को अधिकारण किया जाता है।

[संख्या 1(8) विवेष सैल/77-एस०-एम०-II(ए)
गोविंद जी मिश्र, महा अधिकारक

S.O. 979.—In exercise of the powers conferred on me as Custodian General by sub-section 3 of Section 55 of the administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), I do hereby delegate to the Assistant Custodian General for the State of Haryana, appointed vide Notification No. 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II(A), dated the 11th February, 1982, the following powers of the Custodian General :—

- (i) Powers under Section 24 and 27 of the Act.
- (ii) Powers of approval of transfer of any evacuee property under Section 10(2)(0) of the Act.
- (iii) Powers of transfer of cases under Rule 30-A of the Administration of Evacuee Property (Central) Rules, 1955.

This supersedes Notification No. 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II, dated the 19th February, 1981

[No. 1(8)/Spl. Cell/77-SS. II(B)]

GOVIND JFE MISRA, Custodian General

अम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1981

क्षा०आ० 980.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद अनुसूची में विनियिष्ट विवाद के बारे में वैक आफ बड़ोदा के प्रबंधनतंत्र से सम्बद्ध एक आधोर्गिक विवाद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच विद्यमान है :

शीर केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायमिण्यन के लिए निर्दिष्ट करना चाहीय समझती है ;

प्रतः, केन्द्रीय सरकार, आधोर्गिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ए) द्वारा प्रवाल शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक आधोर्गिक अधिकारण गठित करती है, जिसके पीठालीन अधिकारी श्री बी० एस० बरोंस होंगे, जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्याय-निर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है ।

अनुसूची

“वैक आफ बड़ोदा के प्रबंधनतंत्र की उनकी मालाबातपुरा और रंकुवा स्थित शास्त्राभां के संबंध में अमरा: श्रीमती मविनाथेन एम० पटेल और श्रीमती मविनाथेन गाथोड को उच्चमान मजदूरी का नंदाय न करने की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किस अनुशोष के हक्कदार हैं और किस तारीख से ?”

[मंख्या एम० 12012/310/80-डी०-II(ए०)]

MINISTRY OF LABOUR
ORDER

New Delhi, the 28th November, 1981

S.O. 980.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Bank of Baroda and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Barot shall be the Presiding Officer, with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bank of Baroda in relation to its Branches at Salabatpura and Rankuva in not paying higher wages to Shrimati Savitaben M. Patel and Shrimati Savitaben Rathod respectively, is justified ? If not, to what relief are the workmen concerned entitled and from which date ?”

[No. L-12012/310/80-D.II(A)]

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 981.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman, which was received by the Central Government on the 15-2-1982.

केन्द्रीय लौष्टप्रोतिक न्यायाधिकारण, राजस्थान, जयपुर

केस नं० सी०आ०टी० 4/1980

प्रसंग—वैक आफीसर, भारत मरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के प्रादेश सं० एम० 12012/105/79-डी०-II(ए) दिनांक 2 अगस्त, 1980

श्री बाबू मिह, प्रैट श्री लाल सिंह चितोड़गढ़ ।

—प्रार्थी

बनाम

जलरल मेनेजर, स्टेट वैक आफ श्रीकान्तेर एंड जयपुर, जयपुर ।

—विपक्षी

उपस्थिति

प्रार्थी की आवाज से— ए० एम० एक० देव

विपक्षी की आवाज से— श्री गनोज शर्मा

विवाद प्राप्ति : 28-12-81

अवार्द्ध

भारत मरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली ने नियम विवाद इस अधिकारण को अपनी आदेश सं० एम० 12012/105/79-डी०-II(ए) दिनांक 2 अगस्त, 1980 द्वारा आधोर्गिक विवाद अधिनियम की धारा 10(1) के अन्तर्गत अधिकारीय हेतु भेजा है ।

“Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur in stopping Shri Babusingh S/o Shri Lal Singh, Part Time Mali from work with effect from 1-5-1978 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

a favourable attitude and insisted for the workman joining at Bhopal; that Shri More who was transferred from Bhopal to Indore could not be so transferred as he had not completed five years at Bhopal and that when once the selection was followed by an offer and appointment, neither the offer could be withdrawn nor the appointment could be cancelled.

5. The claim of the Corporation is that under the Life Insurance Corporation Act the Corporation is empowered to frame its own rules and regulations and make provision for promotion, appointment, transfer etc. that promotion and posting of an employee is a managerial function; that the workman had, in response to the notification issued by the Corporation, applied for the post of Projectionist, which was available at Indore/Bhopal; that on being selected the workman was given an offer to accept the appointment on certain terms and conditions to which the workman did not give his clear acceptance; that instead of accepting the offer and joining the post for which he was selected he made repeated requests for his posting at Indore which was not possible; that when inspite of being repeatedly asked to accept the offer and join at Bhopal the workman did not give his acceptance the Corporation had no option but to withdraw the offer and that such action had to be taken as the post of Projectionist at Bhopal could not be kept vacant without adversely affecting the working of the Corporation.

6. In the light of the aforesaid rival claims of the parties the following issues were framed :—

1. Whether the management of Life Insurance Corporation of India, Indore, was justified in withdrawing their Order No. Per/Yan/922 dated 1st March, 1979 appointing Shri G. P. Dubey, Record Clerk, S. K. No. 202394 as projectionist vide their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979

2. If not, to what relief is the workman entitled to ?

7. Having considered the oral and documentary evidence on record my findings on the aforesaid issues are as under :—

Issue No. 1 : The management of the Life Insurance Corporation of India was justified in withdrawing their Order No. Per/Yan/922 dated 1st March, 1979 vide their subsequent letter No. Per/AAO dated 30th May, 1979.

Issue No. 2 : The worker is not entitled to any relief.

Reasons for the aforesaid findings :—

8. **Issue No. 1 :** As already stated above most of the facts in this case are not disputed. The workman while working as a Record Clerk in the Corporation submitted an application for appointment as a Projectionist vide Management's Notification (Ex. W/8) dated 15th December, 1978. The corporation after interviewing the workman and the other candidates selected the workman for the post of Projectionist. In the notification Ex. W/8 it was clearly notified that applications were invited for filling one vacancy of Projectionist in the cadre of H.G.A or Asst at Bhopal or Indore. Application made by the applicant has not been filed by either party. The applicant in his statement as W.W. 1 also does not say that while making an application in response to the aforesaid notification he had given any indication, much less a clear indication, that his application may be considered for appointment at Indore only and not at Bhopal. When the notification was made for filling of a vacancy at Bhopal or at Indore the applicant is supposed to have known that he was applying for being selected for the post of a Projectionist and his appointment can be either at Bhopal or at Indore. Thus so far as the notice of the Corporation inviting applications for the post of a Projectionist is concerned there can be no challenge to it on behalf of the workman.

Subsequent to the application made by the applicant the applicant was called for interview vide Ex. W/7 dated 30th January, 1979 and was selected. Thereafter vide Ex. W/6 dated March 1, 1979 the applicant was asked by the Corporation as to whether he was agreeable to his appointment as a Projectionist at the Divisional Development Unit at Bhopal on the terms and conditions mentioned therein. So far as the

other terms and conditions mentioned in this letter are concerned we are not concerned with them in the present adjudication proceedings, but it is clear that after the workman was selected he was offered the post of a Projectionist and not appointed as claimed by the workman. It was therefore upto the workman to accept the offer or decline it. The workman instead of accepting the offer for his appointment and posting at Bhopal firstly made application Ex. M/14 dated March 24, 1979. The Corporation again advised him by the letter dated 3rd April 1979 (Ex. M/15) and asked him to indicate his acceptance with a period of seven days from the receipt of this letter. The workman instead of giving his acceptance/consent to the Corporation's offer again represented vide his letter 16-4-1979 (Ex. M/16) and pressed for his posting at Indore presumably as a condition precedent for accepting the appointment offered to him. The Corporation finding it not possible to appoint the workman at Indore informed him by letter dated 1-5-1979 (Ex. M/17) to indicate clearly within three days as to whether the offer made to him was acceptable or not. The workman again pressed for his posting at Indore vide his letter dated 16-5-1979 (Ex. M/18) and did not indicate his consent for the said appointment and posting at Bhopal. Consequently, the Corporation addressed the letter dated 30-5-1979 (Ex. M/20) that the offer made to him was withdrawn as the same was not accepted.

9. I will shortly consider the question as to whether the request for posting at Bhopal was bonafide or not but from what has been stated above it would be clear that the workman before making application for appointment as a Projectionist knew very well that the vacancy was either at Bhopal or at Indore. He appeared at the interview and was selected. He was given an offer, vide (Ex. M/12) that he could be appointed at the Divisional Development Unit at Bhopal on the terms and conditions set forth therein. This is not a case where an employee was appointed directly and his appointment order was subsequently withdrawn. On the contrary, this is a clear case where for a higher post applications were invited and the present workman applied for it knowing fully well that his appointment could be either at Bhopal or at Indore. After being selected he was offered the higher post on the condition of his being posted at Bhopal. The workman could not compel the Corporation for his posting at a particular place more particularly when he had himself submitted an application for a post either at Bhopal or at Indore. In these circumstances, it cannot be said that there was any want of bonafide on the part of the Corporation for offering a post at Bhopal after he was selected.

The workman's contention is that there was a post vacant at Indore and though he had his own family problems which he had to face if he was to join at Bhopal even then the Corporation favoured the other employee Shri More by posting him at Indore and creating a vacancy at Bhopal for his posting. In this connection the Corporation's contention is that Shri More was transferred to Indore due to his domestic problems. It would thus be clear that there were two employees in the Corporation and each one of them had his own problems for working at Bhopal. The Corporation favourably accepted the request of one viz. Shri More and did not so favourably consider the request made by the present workman. If the application made by the applicant had been conditional, that is, if he had in his application for the appointment to the post of Projectionist, indicated that he should be considered only if he was to be posted at Indore then the dispute raised by the workman could have been justified. When there was no such condition then the Corporation, in exercise of its managerial powers, considered the request of only one and not both persons and if one employee has been accommodated the present workman had the option either to continue on the post held by him at Indore or join the post of promotion at Bhopal.

10. In the statement of claim workman has given an indirect implication that he is an active worker of the Insurance Employees Association. This statement is made with a latent view that he was being victimised on account of his union activities. There is absolutely no oral or documentary evidence to justify this suggestion. Had it been so, the workman would not have been selected when there were other

(Shram Mantralaya)

ORDER

New Delhi, the 18th February, 1982

S.O. 984.—Whereas, the High Court of Kerala, Ernakulam has set partially aside the award in the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed, given by the Shri K.P.M. Sheriff, Presiding Officer, of the Industrial Tribunal, Alleppey, and remanded back the dispute (hereinafter referred to as the said dispute) relating to Shri B.I. Leon Fernandez, Electrician, to the Tribunal with a direction to go into the matter afresh;

And whereas, the services of Shri K.P.M. Sheriff are no longer available;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 7A read with sub-section (1) of the section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal, the Presiding Officer of which shall be Shri K.P. Devadas with headquarters at Alleppey and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri K.P.M. Sheriff, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Alleppey, and transfers the same to Shri K.P. Devadas, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Alleppey (hereinafter referred to as the said tribunal) with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings in respect of the dispute relating to Shri B.I. Leon Fernandez in accordance with the directions of the High Court of Kerala contained in their judgement dated 26th February, 1979 in Original Petition No. 1779 of 1977-J.

SCHEDULE

Reference No. and date of industrial dispute	Parties to the dispute
--	------------------------

(1)	(2)
-----	-----

Order No. L-43044/5/75-D.I.B/ D. III-B, dated 19th March 1976, from Ministry of Labour, Government of India New Delhi.	The management of Kerala Minerals and Metals Limited Manailkulangara, P.O. Quilon (Kerala) and the workman, Shri B.I. Leon Fernandez, Electrician.
--	--

[No. L-43011/5/75-D.IV/(B)/D.III(B)]

New Delhi, the 23rd February, 1982

S.O. 985.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur and their workman, which was received by the Central Government.

BEFORE JUSTICE SHRI S.R. VYAS (RETD.), PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(61)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of Manganese Ore (India) Limited, Nagpur,

AND

Their workman, Shri Pritam S/o Shri Bhaiyalal, Ward No. 9, Bharveli, Tehsil and District Balaghat (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—Shri N. H. Kumbhare, Advocate.

For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Manganese DISTRICT : Balaghat (M.P.)

AWARD

Dated : February 4, 1982

The Central Government vide Ministry's Notification No. L-27012(2)/79-D. III. B dated 10th September, 1980 has referred the following dispute to this Tribunal, for adjudication:—

"Whether the action of the management of Manganese Ore (India) Ltd., Nagpur in relation to their Bharveli Manganese Mine in dismissing Shri Pritam S/o Bhaiyalal, workman of the said Mine is justified. If not to what relief the said workman is entitled?"

1. Briefly stated the facts giving rise to this dispute are these. The workman Shri Pritam S/o Shri Bhaiyalal, hereinafter referred to as the workman, was an employee of the Manganese Ore (India) Limited Nagpur, he thereafter referred to as the management, in the Bharveli Manganese Mine. On 30th October, 1978 the workman's wife Smt. Meera, employed in the same mine, was making certain enquiries from one Shri Bhoyar as to why she was marked absent on 27th and 29th October, 1978 even though she was on duty. According to the workman, Shri Bhoyar not only abused his wife but also subjected her to physical violence because of which she raised a cry for help. The workman then intervened and averted the situation.

2. According to the management Shri Bhoyar was not concerned with the marking of attendance of the workman's wife. Smt. Meera when Smt. Meera was making certain enquiries from Shri Bhoyar she was told that he was not concerned with the marking of attendance. At that time, the workman came running leaving his place of work, picked up a piece of stone and threw it on Shri Bhoyar hitting him on the back. The workman, according to the management, also assaulted Shri Bhoyar with his chappal without any provocation from his side.

3. Because of this incident the workman was served with a charge-sheet and a departmental enquiry was held against him. After the Enquiry Officer submitted its findings, the competent authority, the Mine Manager, passed an order on 28th November, 1978 and directed a fresh enquiry to be held against the workman on a fresh charge-sheet. After the second enquiry was held, the findings of the Enquiry Officer were accepted by the Mines Manager, a second show cause notice was issued for the penalty of dismissal from service. As no sufficient cause, according to the management, was shown by the workman he was dismissed from service. This order of dismissal is the subject of the present dispute referred to this Tribunal for adjudication.

5. In their respective claims filed by both the parties, validity of the enquiry and the penalty imposed upon the workman were challenged by the workman and supported by the management. Accordingly the following issues were framed:—

1. Whether the charge-sheet given to the delinquent workman is proper?
2. Whether the delinquent workman was given fair opportunity to defend his case during the enquiry?
3. Whether the Enquiry Officer was biased?
4. Whether the enquiry has been conducted in strict adherence to the principles of natural justice?
5. Whether the findings of the Enquiry Officer are perverse?
6. (a) Whether on the same charges an enquiry was held and after examining 12 witnesses whether the delinquent workman was reinstated?
- (b) Whether on the same charges fresh charge-sheet was issued and the workman was dismissed?

Findings on all the above issues, except Issue No. 5 were recorded on 30th November, 1981. All these issues were found

against the workman and it was held that the charge-sheet given to the workman was proper, that the workman was given a fair opportunity to defend himself, that the Enquiry Officer was not biased that the enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice and that after an order for the second enquiry was passed the workman was reinstated and dismissed after the second enquiry was concluded. The second enquiry was also found to be a fair one. Only finding was reserved on Issue No. 5 as aforesaid.

6. Parties were heard after the findings on Issues Nos. 1 to 4 and 6 were recorded on 30th November, 1981. It has now to be seen whether the findings of the Enquiry Officer were perverse.

7. I have considered the findings of the Enquiry Officer. The question of the perversity as regards the findings of the Enquiry Officer is set by the workman deserves to be answered in favour of the management for the reasons given below:

8. The charge against the workman was that while his wife Smt. Meera was enquiring from Shri Bhoyar as to why she was marked absent on 27th and 29th October, 1978, he came running after leaving his place of work and picked up a piece of stone with which he hit Shri Bhoyar on his back and also assaulted Shri Bhoyar with his chappal while Shri. Bhoyar was explaining to Smt. Meera that the cause of her being marked absent may be enquired from the person concerned and not from him. These acts of assault according to the management constituted misconduct under Section 10(g) and 10(h) of the Company's Standing Orders and the rules framed thereunder. The findings of the Enquiry Officer which were recorded after a properly held enquiry were that the workman had assaulted Shri Bhoyar while on duty without any provocation on his side, that he left the place of work without any permission and that the evidence recorded before the Enquiry Officer fully established the charges. These findings of the Enquiry Officer are based on a proper appreciation of the evidence recorded by him in the properly and validly held enquiry. According to the Regulation No. 41(5) of the Metaliferous Mines Regulations 1961, no person shall, while on duty throw any stone or other missile with intent to cause injury or fight or behave in a violent manner. Shri Bhoyar, according to the management was not concerned with the marking of attendance of Smt. Meera and according to the Enquiry Officer he was assaulted with stone and Chappal without any provocation from his side. The workman could seek redress of the grievance which he had regarding the marking of the attendance of his wife but certainly he could not subject Shri Bhoyar with physical violence by means of throwing stone hitting him on the back and assaulting him with Chappal also. The question whether Shri Bhoyar was a person holding rank superior to the workman is not relevant. No workman engaged in a mine is supposed to behave in the manner in which the Enquiry Officer has found this workman to have behaved in this case. For such an act which proves use of physical violence causing hurt and conduct of behaviour of a riotous nature the management has every authority to impose a proper punishment.

9. In this case, considering the findings recorded by the Enquiry Officer, which in my opinion are based on a proper and reasonable appreciation of evidence the workman was rightly found guilty of the charges made against him. In order that industrial peace is maintained in the mine such a person deserves the punishment which has been imposed upon him by the management. I accordingly find no perversity in the findings of the Enquiry Officer which were, in my opinion rightly accepted by the management.

10. In the light of the findings recorded on 30th November, 1981 and those recorded above I do not think that the applicant is entitled to any relief in this case. It was precisely for this reason that nothing was said on behalf of the workman with regard to the nature of the punishment awarded to the workman. The workman is therefore, not entitled to any relief in these proceedings for the reasons given above my award in this case is as under:-

The action of the management of Manganese Ore (India) Limited Nigrur in relation to their Bharveli Manganese Mine in dismissing Shri Putam S/o Shri Bhayalal workman of the

said mine is fully justified and that the workman is not entitled to any relief. In the circumstances of the case both the parties are directed to bear their own costs as incurred.

S R VYAS, Presiding Officer
(No. 1 27012/2/79-D III B)
SHASHI BHUSHAN Under Secy

नई दिल्ली, 14 फरवरी 1982

कां आ० 986—बेंगलूरु मण्डार फर्म बार्ग नाथ श्रीराम प्रभु उपबंध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 1 की उपधारा (3) के खंड (ख) द्वारा प्रबन्धकों का प्रयोग करने का, नियन्त्रित स्थापनों द्वारा जनसे से प्रयोग में बीम या उगम स्थिति अवधारणा के रूप में विनियोग करती है। इन्हें उन अधिनियम लागू होता, अर्थात्—

- (i) बाई विष्वविद्यालय,
- (ii) बाई सो महानियालय चार वर्ष विष्वविद्यालय से मन्त्रित है या नहीं,
- (iii) बाई भी विद्यालय चार उम्मेदीय मण्डार या विभी गज्ज द्वारा सन्धारन प्राप्त या सहायता प्राप्त है या नहीं.
- (iv) बाई भी बैंगा नव गम्भा
- (v) बाई भी संस्था जिसमें भी विद्यालय चार में अनुसंधान किया जाता है,
- (vi) बाई भी संस्था संस्था जिसमें या प्राप्तकर्ता दर्शक दर्शकी विद्या चारप अधिनियम रूप से चलाया जाता है।

[पर] 35016/2/79-प्राप्तिग्राह 2]

New Delhi, the 19th February, 1982

5. O. 986—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub section (3) section 1 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby specifies the following classes of establishments in each of which twenty or more persons are employed, as establishments to which the said Act shall apply, namely—

- (i) any University;
- (ii) any college, whether or not affiliated to a University;
- (iii) any school, whether or not recognised or aided by the Central or a State Government;
- (iv) any scientific institution;
- (v) any institution in which research in respect of my matter is carried on;
- (vi) any other institution in which the activity of imparting knowledge or training is systematically carried on.

15-35016/2/79 PI II

नई दिल्ली 22 फरवरी 1982

कां आ० 987—कर्म राज्य मण्डार न कम्बलाग गज्ज वामा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) त खंड (ख) के अनुरूप में डॉ प्र० गो० जौर्ज के स्थान पर डॉ जासफ जेलाइज़, निदेशक, बीमा विकास सेवा, बेंगल मण्डार का चिकित्सा प्रसूतिया परिवद में उम्मेद या उगम से प्राप्तिग्राह नहीं +, या नाप्राप्तिग्राह विद्या है।

पर, यदि बीमा परिवद कम्बलाग गज्ज वामा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में,

भारत सरकार के अधीन सत्रानय की अधिकृतना संज्ञा का०आ० 3329 दिनांक 19 नवम्बर, 1981 में निम्नलिखित समाधान करती है, अर्थात्—

उक्त अधिकृतना में '(सर्वाधिक गत्य भवतारो द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के लिए (ध) के अधीन नामनिर्दिष्ट)', शीर्षक के नीचे मद 12 के सामने की प्राविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्राविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

'इ० जीपक जबारिया
निदेशक, बीमा विविता मंत्रालय,
वैराम सरकार विवेकम-14'

[म० य०-16012/3/82-प्र०आ०]

New Delhi, the 22nd February, 1982

S.O. 987—Whereas the State Government of Kerala has in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr Joseph Zacharias, Director of Insurance Medical Services, Government of Kerala, Trivandrum to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr M. J. George;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329, dated 19 November, 1981, namely:—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 12, the following entry shall be substituted, namely—

"Dr. Joseph Zacharias,
Director of Insurance Medical Services,
Government of Kerala,
Trivandrum-14"

[No. U-16012/3/82-HI]

का०आ० 988—यद्यपि इस सरकार ने कर्मचारी गत्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के लिए (ध) के अनुसरण में आ०ग०पी० बर्म के स्थान पर श्री ई० पी० बर्नजी, प्रणासनिक विविता अधिकारी, कर्मचारी गत्य बीमा योजना अम और रोजगार विभाग द्वारा सरकार, बी विविता प्रमुखिया, परिषद में उम गत्य में प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है,

अत, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी गत्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के अधीन सत्रानय की अधिकृतना संज्ञा का०आ० 3329 दिनांक 19 नवम्बर, 1981 में निम्नलिखित समोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिकृतना में "(सर्वाधिक गत्य भवतारो द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के लिए (ध) के अधीन नामनिर्दिष्ट)", शीर्षक के नीचे मद 6 के सामने की प्राविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्राविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

"श्री ई० पी० बर्नजी,
प्रणासनिक विविता अधिकारी,
कर्मचारी गत्य बीमा योजना
अम और रोजगार विभाग,
विहार सरकार, पटना।

[म० य०-16012/4/82-प्र०आ०]

S.O. 988.—Whereas the State Government of Bihar has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. S. C. Banerjee, Director, Employees' State Insurance Scheme, Government of Bihar, Bhubaneswar to represent that

State on the Medical Benefit Council in place of Dr A. P. Verma,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329, dated 19 November, 1981, namely—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 6, the following entry shall be substituted, namely—

Shri D. P. Banerjee,
Administrative Medical Officer,
Employees' State Insurance Scheme,
Department of Labour and Employment,
Government of Bihar, Patna"

[No. U-16012/4/82-HI]

का०आ० 989—उक्तीय सरकार ने कर्मचारी गत्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के लिए (ध) के अनुसरण में इ० ग० म० बर्नजी, निदेशक, पर्मचारी गत्य बीमा योजना, उत्तीर्ण सरकार, अनुसरण की विविता प्रमुखिया परिषद् में राज्य में प्रतिनिधित्व करने वाला नामनिर्दिष्ट किया है

अत, जब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी गत्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 10 की उपधारा (1) के अनुसरण में, सारत सरकार के अधीन सत्रानय की अधिकृतना संज्ञा का०आ० 3329 दिनांक 19 नवम्बर, 1981 में निम्नलिखित समोधन करता है, अर्थात्— उक्त अधिकृतना में "(सर्वाधिक गत्य भवतारो द्वारा धारा 10 की उपधारा (1) के लिए (ध) के अधीन नामनिर्दिष्ट)", शीर्षक के नीचे मद 17 के सामने की प्राविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्राविष्टि रखी जाएगी, प्रथम—

'इ० ग० म० बर्नजी'

निदेशक
कर्मचारी गत्य बीमा योजना,
उत्तीर्ण सरकार, भुवनेश्वर।'

[म० य०-16012/5/82-प्र०आ०]

प्र० ई० लक्ष्मण अवर मन्त्री

S.O. 989.—Whereas the State Government of Orissa has, in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr S. C. Banerjee, Director, Employees' State Insurance Scheme, Government of Orissa, Bhubaneswar to represent that State on the Medical Benefit Council in place of Dr. P. C. Rath;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 10 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 3329, dated 19 November, 1981, namely—

In the said notification, under the heading "[Nominated by the State Governments concerned under clause (d) of sub-section (1) of Section 10]" for the entry against item 17, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. S. C. Banerjee,
Director,
Employees' State Insurance Scheme,
Government of Orissa,
Bhubaneswar."

[No. U-16012/5/82-HI]
A K BHATTARAJ Under Secy.

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 990.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employees in relation to the management of Bhulanbarree Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bhulanbarree, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th February, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2) DHANBAD

Reference No. 22 of 1980.

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES

Employers in relation to the management of Bhulanbarree Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Bhulanbarree, Dist Dhanbad and their workmen.

APPARANCES

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate

On behalf of the workmen : Shri H. N. Singh, Vice President, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat, Dhanbad.

STATE : Bihar **INDUSTRY : Coal.**

Dhanbad, the 10th February, 1982

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I. D. Act, 1947. The Central Government by its order No. I-20012(8)/80-D. III(A) dated 6th September, 1980 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Bhulanbarree colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Bhulanbarree, District Dhanbad that Shri Sona Bouri, Winding Engine Khalasi should be paid wages for the period from 18th January, 1979 to 19th March 1979 is justified ? If so to what relief the said workman entitled ?"

1. The concerned workman, Shri Sona Bouri was a khalasi as represented by Koyala Ispat Mazdoor Panchayet which has raised this dispute. On 18-1-1979 through letter No. BBC/79-1 B/13 dated 18-1-1979 the concerned workman was ordered to work as coal cutting machine helper with the threat that if he did not attend to the job assigned to him, he will not be paid wages and the same should be treated as unauthorised absence. The workman's case is that the job of winding engine khalasi is on the surface and the nature of job of coal cutting machine helper is underground job. There are variations in the nature of the job and therefore the aforesaid order of the management means a change in service condition for which a notice was necessary under Section 9A of the I.D. Act 1947. No such notice was issued and so the aforesaid order is vitiated under law. Shri Sona Bouri was marked absent w.e.f. 15-1-79. The Koyala Ispat Mazdoor Panchayet protested against the illegal order of the management, and the management disclosed their own mistake in issuing the letter dated 18-1-79. So vide their letter dated 2-2-1979 the concerned workman, Shri Sona Bouri was placed as winding engine khalasi on the surface as before. The concerned workman, however was not paid his wages for the period from 18-1-1979 to 19-3-1979 and the question in this reference is as to whether such an action on the part of the management is justified.

2. The management on the other hand has said that in the month of January, 1979 there was some technical defect in the winding engine fitted in 'C' Pit Bhulanbarree colliery as a result of which the engine could not be operated. This compelled the management to employment of the winding engine khalasis operating this engine in three shifts in some other alternative and gainful jobs. The concerned workman

Shri Sona Bouri was offered the job of C.C.M. helper in the same colliery and his two other colleagues who were given the job of switch board attendant and haulage khalasi. While the 2 other colleagues of Shri Sona Bouri duly complied with the order, Shri Sona Bouri refused to carry on the alternative job and remained absent. The management treated this absence as unauthorised. This winding engine was repaired and restarted on 20-3-79 when the concerned workman was ordered to join his duty on that same engine which he did. According to the management the concerned workman and his two other colleagues had represented against the order dated 18-1-79 and the management immediately replied to their representation pointing out that the arrangement was a temporary affair. But while the two other colleagues of the concerned workman understood the position and complied with the order, this concerned workman obstinately refused to carry out the order. According to the management the order dated 18-1-79 was in no manner intended to change the service condition of the concerned workman. In fact the job of C. C. M. helper is less arduous than the job of winding engine khalasi. The concerned workman was no doubt required to work underground, but he was to be paid underground allowance. Furthermore, there was no question of any laff in order to attract the provision of S. 23M of the I.D. Act, 1947.

4. The order dated 18-1-9 is Ext. W. 1. In this order Shri Sona Bouri the concerned workman and two others were directed to resume the duties at 15A Seam as C.C.M. helper with immediate effect. They were required to note that they would not be paid any wages for unauthorised absence. Then there is Ext. W. 2 dated 23-1-79. In this letter it was pointed out to Shri Sona Bouri that he was absenting from duty since 18-1-79 without any information and permission from the authorities concerned. He was ordered to explain this within 48 hours of the receipt of this letter failing which disciplinary action would be taken. The next document is Ext. W. 3 dated 2-3-79. This is a charge-sheet for unauthorised absence from 15-1-79. The charge was for offences misconduct under rule 21(1)(n) and (e) of the standing orders. Ext. W. 4 is a notice of enquiry. Ext. W. 5 is a letter dated 20-3-79 issued to Shri Sona Bouri and 2 others directing them to report for their original duties as winding engine khalasi w.e.f. 20-3-79 as winding engine had restarted.

5. No oral evidence was adduced on behalf of the workman. The management has however examined Shri N.S. Tewari who was the Asstt. colliery manager in Bhulanbarree colliery. His evidence is that Shri Sona Bouri was working as general mazdoor on various types of jobs and later on as cleaning mazdoor, before his employment as winding engine khalasi. In his capacity as mazdoor he was required to work on the surface as well as underground on various types of jobs. He was capable and competent to do the job of coal cutting machine helper. The witness has further said that Shri Sona Bouri was working as winding engine khalasi on trial basis and he was not made permanent because he had not been able to obtain the necessary certificate. His evidence is that there is no question of malafide or victimisation on the part of the management. The witness has admitted in the cross-examination that although the charge-sheet was issued against the concerned workman for unauthorised absence the charge was later on dropped.

6. It will appear that the facts are more or less admitted in this case. The only question is whether the order of the management dated 18-1-79 to place the concerned workman as C.C.M. helper underground amounted to a change in service condition. The management has led evidence on this point that there was a temporary arrangement because the winding engine developed mechanical fault and was not able to operate. The concerned workman and his two other colleagues had to be placed in similar jobs in order to avoid lay off which they did. While his two other colleagues joined the alternative job given to them, the concerned workman refused to do the job and remained absent. Another aspect of the matter is that the concerned workman is not a permanent winding engine khalasi because he has not obtained the necessary certificate for such employment. He has known the job of winding engine khalasi on account of his previous experience of working on the machine both underground and on the surface. Evidence has been given that the job which he was required to do was similar nature and the only difference was that he was required to do underground job

for which underground allowance was payable to him. The management has therefore rightly said that there was no question of the change of the nature of job so as to require a notice under Section 9A. It is clear that the concerned workman was not correctly advised to remain absent from the duties assigned to him. The bona fide of the management could be seen from the fact that no sooner the winding engine was operational the concerned workman was put back to his original job and the disciplinary proceeding which was started was dropped. I, therefore, feel no adequate reason to hold that the absence of the concerned workman from duties was justifiable. In the circumstances of the case the management treated the period of his absence from duty as leave without wages, and so no payment was made to the concerned workman for that period.

7. Considering all aspect of the matter I hold that the demand of the workmen of Bhulanbarree colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post office Bhulanbarree, District Dhanbad that Shri Sona Bouri, winding engine khalasi should be paid wages for the period from 19th January, 1979 to 19th March, 1979 is not justified. Consequently, the concerned workman Shri Sona Bouri is not entitled to any relief.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/8/80-D.III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 19th February, 1982

S.O. 991.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Ranipur Sub-Area of M/s Eastern Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-2-1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3. DHANBAD

Reference No. 80/80

PRESENT :

Shri J. N. Singh, Presiding Officer

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P. O. Dishergarh, Dist. Burdwan

AND

Their workmen

APPARANCES :

For the Employers—

Shri J. N. Mishra, Senior Personnel Officer

For the Workman—

Shri S. Chakravorty, Vice-President of C.M.E.U.

INDUSTRIAL Coal

STATE · W. Bengal

AWARD

Dated, the 8th February, 1982

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U/S 10(1)(d) of the the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Calcutta for adjudication. Subsequently by Order No. S-11025(4)/80-D.IV(B) dated the 14th/17th November 1980 the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Ranipur Colliery under Ranipur Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd., P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan in dismissing the services of Shri Aloke Roy, Pump Khalasi with effect from 6th January, 1978 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. The case of the workman is that he was served with a chargesheet and was also suspended and the charge again him was that he had illegally occupied the quarter of Shri Surendra Mahata, Electrician which had been allotted to him and he was directed by management's letter dated 25-7-77 to hand over the vacant possession of the said quarter illegally and without permission occupied by him, but he did not vacate the same and disobeyed the lawful order of his superior officer. This according to the management amounted to misconduct U/S 17(1)(c) of model Standing Order. The concerned workman gave a reply but a departmental proceeding was started against him and on report of the Enquiry Officer he was dismissed from service with effect from 6th January, 1978.

3. Besides challenging the propriety of the enquiry the further case of the workman is that the house in question was in possession of one Niranjan Sen, ex-employee of the colliery who died but his heirs did not hand over vacant possession of the said quarter to the management. It is further stated that Sunit Sen is the son of Niranjan Sen who died in harness and the concerned workman was asked to look after the belongings of Niranjan Sen kept in the house and as he had friendship with Sunit Sen he took temporary shelter in the said house. It is submitted that the concerned workman used to stay in the said quarter with the permission of the heirs of Niranjan Sen.

4. It is further stated that this quarter had previously been allotted to one Naran Laik. The management did not get possession of the same from the heirs of Niranjan Sen and so Naran Laik also could not get possession and thereafter it was allotted to one Surendra Mahata, Electrician without cancelling the allotment order in favour of Naran Laik. Thus the main defense of the concerned workman is that he occupied the quarter as a friend of the son of late Niranjan Sen and that he did not occupy it forcibly. It is also submitted that number of quarters of the management are in unauthorised occupation by several persons but no action have been taken against them and the action was taken against the concerned workman alone. It is also submitted that the chargesheet was illegal and the order of dismissal is void and inoperative and it is prayed that the concerned workman should be reinstated with full back wages.

5. The case of the management, however, is that the concerned workman illegally occupied the company's quarter allotted to one Surendra Mahata and inspite of repeated letters issued by the Manager of the Colliery the concerned workman refused to vacate the same and thereby he committed a gross misconduct U/S 17(1)(c) of the Model Standing Order. Accordingly chargesheet was drawn up against him and after holding a departmental enquiry he was dismissed from service as the charge of disobeying the order of superior office was clearly proved. It is also stated that the enquiry was fair and proper and every opportunity was given to the concerned workman to defend himself but he did not come to contest the enquiry proceeding deliberately. It is further stated that in the show cause filed by the concerned workman he admitted to have taken possession of the quarter in question but now the plea has been taken that he was asked to look after the belongings of late Niranjan Sen and took temporary shelter of the quarter with permission of the son of Niranjan Sen is an after thought and fabricated story. It is further stated that the house in question was given possession to the management by the heirs of Niranjan Sen and thereafter the Housing Committee allotted the house to one Naran Laik according to rules, but as Sri Laik did not occupy the quarter within two months it was allotted to Sri Surendra Mahata. But in the meantime the concerned workman had illegally and forcibly occupied the quarter in question and he did not vacate the same inspite of several letters sent to him by the management. It is submitted that the charge of misconduct was well proved against the concerned workman and the order of

dismissal passed against him is legal and valid and in the circumstances, the concerned workman is not entitled to any relief

6 The point for consideration is as to whether the action of the management in dismissing Sri Aloke Roy concerned workman from service with effect from 6-1-1978 is justified. It is not, to what relief the concerned workman is entitled

7 The preliminary issue as to whether the enquiry was fair and proper was initially taken up by this Court and after hearing the parties and considering the documents, it was held by order dated 12-6-1981 that the enquiry was just and proper

8 Now the only question remains as to whether the order of dismissal is justified on merits. Ext M 1 is the chargesheet dated 18-1-1977 issued against the concerned workman. It reads as follows

"You illegally occupied the quarter of Sri Surendra Mahata, Electrician which has been allotted to him and you were directed vide this office letter No W/77/c 2/12/143 dated 25-7-77 to hand over the vacant possession of the said quarter which has been illegally occupied by you without permission but you did not vacate the same yet. Thus you disobeyed the lawful order of your superior officer. You have thereby committed misconduct under order 17(1)(c) of Model Standing Order

You are suspended herewith pending enquiry

R. K. SRIVASTAVA, Manager
18-7-77

The concerned workman gave a reply to the chargesheet which is Ext. M 2. In the reply it was stated that he had not been allotted any quarter although he had been approaching the management for it for a long time and that he also placed his troubles before the management several times but the management did not allot him any quarter, rather some junior employees have been allotted quarters, and further several employees were forcibly occupying the quarters of the company but no steps was taken against them. It was further stated that Surendra Mahata is a local man and so priority should be given to the concerned workman in allotting the quarter. Lastly it is mentioned in the reply that this circumstance forced him to take shelter in the above said quarter

9 Thus from the above reply it will appear that it was nowhere the case of the concerned workman that the quarter in question was still in possession of Niranjan Sen who died in harness or that Sumit Sen son of Niranjan Sen had asked him to look after his belongings and also permitted him to live in the quarter temporarily. In fact the reply would show that under the circumstances mentioned by him in the reply he was forced to take shelter in the quarter in question which meant that he had taken unauthorised occupation of the quarter in question. The Plea now taken in the written statement that he was residing in the quarter as a friend of the son of Niranjan Sen is thus clearly an after thought and has been developed during the course of this reference only to make out a new case which cannot be believed in view of the earlier reply given by the concerned workman. Ext W-10 is the first letter dated 9-6-77 issued to the concerned workman by the management stating that as reported by Surendra Mahata, Electrician to whom the quarter had been allotted it was found that the concerned workman had occupied the quarter in question and therefore he was directed to hand over the same to Surendra Mahata immediately on receipt of this letter failing which necessary action will be taken against him. Ext W-11 is the second letter dated 27-6-77 directing the concerned workman to vacate the quarter in question and informing him that inspite of the letter Ext W-10 dated 9-6-77 he had not vacated the house and had disobeyed the order of the Manager and hence he must vacate the quarter within 48 hours of receipt of this letter failing which necessary action will be taken against him. The concerned workman did not vacate the quarter inspite of receipt of above two letters and so the last letter (Ext W-12 dated 25-7-1977) was issued against him directing him to vacate the quarter within 48 hours. The mention of this letter is made in the charge sheet also

10 Thus it will appear that three letters were issued by the Manager to the concerned workman directing him to vacate the quarter in question which had already been allotted to Surendra Mahata but still the same was not vacated.

11. On behalf of the workman a letter Ext W-9 dated 11-5-77 has been filed saying that Amala Sen had also been directed to vacate the quarter which means that Amala Sen wife of Niranjan Sen is still residing in that quarter. But from the evidence of Sri R. K. Srivastava, MW 2 who was the then Manager of Ranipuri Colliery, it will appear that the widow of Niranjan Sen had handed over the key of the quarter to the management in his presence. There is nothing to disbelieve the evidence of the above witness who is a respectable officer and from the reply of the concerned workman to the chargesheet itself it will be clear that the concerned workman had admitted to have taken possession of the quarter in question and so Ext W-9 is not relevant for the purpose of this case. Another document filed on behalf of the workman is a letter to Naran Lalk dated 8-6-1976 allotting the quarter to him. But according to MW-2 when Naran Lalk did not take possession within 2 months as per rules it was allotted to Surendra Mahata. So this letter is also not relevant

12 The concerned workman however has examined himself and has come to state that he occupied the quarter in question as a friend of the son of Niranjan Sen. But this evidence of his is clearly an after thought as no such claim was made by him earlier. Further it cannot be disputed that the quarter in question belongs to the management and it had been allotted to one Surendra Mahata. Further it cannot be denied that the concerned workman was in illegal possession of the same even if he had got possession of it with the permission of the son of Niranjan Sen as the son of Niranjan Sen was not the authority to allow anybody else to live in the quarter belonging to the company. The Manager was the proper authority who wrote three letters Ext W-10 to W-12 to the concerned workman directing him to vacate the quarter in question but he did not vacate the same. He thus disobeyed the lawful order of his superior officer which comes under the definition of misconduct under the Standing Orders, may be Model Standing Orders or the Standing order prevailing in this colliery prior to nationalisation

13 It was however contended on behalf of the workman that for not vacating the quarter in question no chargesheet should have been issued, but the management should have taken steps under the Public Premises (Eviction of unauthorised occupants) Act 1971 under which the General Manager, Bhachak House was appointed as Estate Officer under the said act and necessary steps vacating the house should be taken by him. In support of it the notification Ext W-4 issued on 30-11-77 by the Ministry has been filed. But this notification is of a subsequent date. Further the charge against the concerned workman was for disobeying the legal order of his superior officer which certainly comes under the misconduct. This misconduct was proved against the concerned workman during domestic enquiry in which sufficient evidence was adduced by the management to prove the charge. In fact from the record also it is clearly proved that the concerned workman had forcibly occupied the quarter in question and inspite of three letters issued by the Manager he did not vacate the same

14 The charge of misconduct against the concerned workman is thus well proved

15 The management however has taken the plea that the sponsoring union had no authority to raise the dispute, but this point was not pressed at the time of hearing. Further it will appear from the membership register and counterfoils receipts etc. that the concerned workman was member of this union and the concerned workman by Ext W-6 requested the union to take up his case and the union by Ext W-7 raised the dispute before the management. Ext W-13 is the failure report. Ext W-3 is the dismissal order which was passed after approval from the higher authority Exts M-11 and M-12

15 Considering the evidence on record I hold that the charge of misconduct was well proved against the concerned workman for disobeying the lawful order of the superior officer

16 The next question is as to whether the punishment of dismissal is justified or not. According to the evidence of the

management there is acute shortage of quarters and if the employees take recourse to the forcible occupation of the quarters of the management then there will be no discipline among the employees and the lawful persons will not be able to get any quarter which will amount to confusion and dissatisfaction in the Industry. It was urged on behalf of the management that the punishment of dismissal was given only to maintain discipline in the industry so that other employees may not take forcible occupation of the management's quarters.

17. In such circumstances the punishment of dismissal of the concerned workman from service is justified so that the discipline may be maintained in the industry.

18. Considering the above, I hold that the action of the management in dismissing the concerned workman from service with effect from 6th January, 1978 is justified and the concerned workman is not entitled to any relief.

19. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer
(No. L-19012(9)/78-D. IV(B))

प्राप्ति

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1982

का०आ० ९९२—सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, गोदावारी-खानी, के प्रबंधसंत से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व सिंगरेनी कोलियरीज वर्क्स यूनियन, गोदावारीखानी करती है, एक आद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और उन्हें नियोजकों और कर्मकारों ने आद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10-क को उपधारा (1) के प्रत्युत्तर में एक विवित करार द्वारा उन्हें विवाद को माध्यस्थम किए निर्देशित करने का करार कर दिया है और उन्हें माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है;

अतः, अब उन अधिनियम की धारा 10-क की उपधारा (3) के उपबंधों के प्रत्युत्तर में, केन्द्रीय सरकार उन्हें माध्यस्थम करार को, जो उसे 8-2-82 को मिला था, एन्डवारा प्रकाशित करती है।

(करार)

(आद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10-क के अधीन)

पक्षकारों के नाम

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले । 1. श्री पी० ई० आमद, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, महाप्रबंधक के प्रतिनिधि के रूप में, सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी निं०, गोदावारी-खानी ।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले । 1. श्री मार्टिनेटी कोमागाइश, मरफेस जनरल मजदूर, गोदावारीखानी न० ७, इन्कालाइन ।
2. श्री एम० भास्कर राव, मन्त्री केन्द्रीय परिषद, एम०सी० वर्क्स यूनियन, गोदावारीखानी, ५०५२०७, जिला कर्मनगर (आन्ध्र प्रदेश) ।

पक्षकारों के बीच निम्नलिखित आद्योगिक विवाद को श्री एम०आर० राजू उप श्रमायुक्त (केन्द्रीय), मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) के कार्यालय, अम शक्ति भवन, रक्षी मार्ग, नई दिल्ली के माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार किया गया है।

1. विनिविट विवाद ग्रस्त विषय । मैसर्स सिंगरेनी कोलियरीज कम्पनी लिमिटेड, रामागुण्डम, डिवीजन III के प्रबंधसंत गोदावारीखानी न० ७, इन्कालाइन के मरफेस सेन्ट्रल मजदूर, श्री मार्टिनेटी कोलाराइड को ११-१-८१ से अर्कास्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है, यदि नहीं तो कर्मचारी किम अनुत्तीप के लक्ष्यावार है।

2. विवाद के पक्षकारों का विवरण जिसमें अंतर्वलित स्थापन या उपकरण का नाम और पता भी सम्मिलित है।

3. (क) कर्मकार का नाम, यदि वह विवाद में स्वयं सम्मिलित है।

4. यदि कोई संघ प्रश्नगत कम्पार या कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करना हो तो उनका नाम।

4. प्रभावित उपकरण में नियोजित रामागुण्डम क्षेत्र में २६,००० कर्मकारों की कुल संख्या।

5. विवाद द्वारा प्रभावित या संभाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की संख्या।

हम यह भ करते हैं कि मध्यस्थ का विनिविट द्वारा प्रयत्न कर दोगा।

मध्यस्थ अपना पंचांत केन्द्रीय सरकार द्वारा रजिस्टर में इस समस्तीके प्रकाशन की सारीष से तीन मास की कानूनीधि या इन्हें और मध्य के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिंगित करार द्वारा बदला जाय देगा। यदि पुर्व वर्णित कालावधि के भीतर पंचांत नहीं किया जाना तो माध्यस्थम के लिए निवेदन स्वतः रद्द हो जायगा और हम ताप्त्यम के लिए अनुचित करने को स्वतंत्र होंगे।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मकार

१० (पी० ई० आमद)
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
प्र० ए० आर० आर०
मरफेस जनरल मजदूर गोदावारीखानी
न० ७, इन्कालाइन ।
१० (एम० भास्कर राव)
सेन्ट्रली, एम०सी० उत्त्यू यूनियन,
जी०डी०क० ।

साक्षी :

1. श्री जे० कंकालेश्वर, महायक श्रमायुक्त (केन्द्रीय)
हैदराबाद ।
२. श्री थी० एल०एन० मूर्ति,
मैट्नो, दी पी आ कार्यालय,
गोदावारीखानी ।
३. एम०आर०राज०, मध्यस्थ
उप मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय)
नई दिल्ली
[संख्या एल-२१०१३ (१)/८२-१.४वी]
४. एम०एम० मेहता, डेस्क अधिकारी

